



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 8, 1975 (फाल्गुन 17, 1896)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 8, 1975 (PHALGUNA 17, 1896)

इस भाग से भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निबंधक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 अगस्त 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एड्डी को राष्ट्रपति द्वारा, 3-7-1974 से 2-10-1974 तक तीन महीने की अवधि के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है

एस० आर० भागवत
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1974

सं० ए० 32013/5/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, जिन्हें कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (मन्त्रीमंडल सचिवालय) अधिसूचना सं० 4/58/74-सी० एस०(I) दिनांक 20 जनवरी, 1975 द्वारा 486GI/74

उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीखों से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उन्हीं तारीखों से स्थानापन्न अवर सचिव नियुक्त किया गया है :—

अधिकारी का नाम	तारीख जिससे के०स०से० के ग्रेड-I में नियुक्ति की गई
1. श्री आर० पण्डित	27-12-1974 (पूर्वाह्न)
2. श्री चेला राम आनन्द	27-12-1974 (पूर्वाह्न)
3. श्री आर० आर० शिमेरे	27-12-1974 (पूर्वाह्न)

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1975

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा, आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० के० गुप्त को राष्ट्रपति, द्वारा 25-11-74 से 10-1-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड- में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-III—मंत्रीमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० शा० सं० एफ० 5/44/74-सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० एन० अरोड़ा (जो इस समय सं० लो० से० आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्त हैं) को राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से आगामी आदेश तक उसी संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II दिनांक 29-10-74 के अनुसार श्री बी० एन० अरोड़ा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के संवर्ग वाह्य पद पर आगामी आदेश तक कार्य करते रहेंगे।

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-II—मंत्रीमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० शा० सं० पी० 5/44/74-सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 30-3-74 में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० पी० टंडन को, राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से आगामी आदेश तक उसी संवर्ग में उसी सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-III—मंत्रीमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० शा० सं० एफ० 5/44/74-सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 15-1-75 में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एल० सूरी को, राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से आगामी आदेश तक उसी संवर्ग में उसी सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-III—मंत्री मंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० शा० सं० एफ० 5/44/74-सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के अनुसरण में तथा इस कार्यालय की अधिसूचना सं०

ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 28-8-74 में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० आर० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से आगामी आदेश तक उसी संवर्ग में उसी सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० कुकरेती को, राष्ट्रपति द्वारा 6-1-1975 से 21-1-1975 तक (दोनों दिनों सहित) 16 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एड्डी को, राष्ट्रपति द्वारा, 28-12-74 से 28-2-75 तक 63 दिन की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 19-12-1974 से 16-1-1975 तक 29 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय,

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल,

नई दिल्ली, 110001, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० ओ० 2-101/71-स्था०—राष्ट्रपति, मेजर के० ए० कृष्णन, महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के संयुक्त सहायक निदेशक (क्रिप्टोग्राफी) की मृत्यु 24 जनवरी 1975 अपराह्न को प्रति शोकपूर्वक घोषित करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० ओ०-II-904/73-स्था०—डॉक्टर श्रीमती ज्योत्सना रानी सेवेन ने उनके त्याग पत्र के स्वीकृत होने पर सैंकड बेस हास्पिटल अवादी से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 27 जनवरी पूर्वाह्न, 1975 से कर दिया।

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय,
(अर्थ विभाग)

नासिक रोड, दिनांक 31 जनवरी 1975

सं० 3331/ए०—डा० (श्रीमती) अनुपमा चन्द्रकांत आवलगांवकर जिनकी मूल नियुक्ति अवर चिकित्सा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय अस्पताल नासिक रोड में 20-11-69 से तदर्थ रूप में पहली बार तीन महीने के लिए हुई थी और बाद में अधिसूचना सं० 4923/ए० दिनांक 14-1-74 के अनुसार दिनांक 30-6-74 तक के लिए सेवा जारी रखी गयी, आगे इसी तरह 31-3-1975 तक काम करती रहेगी अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (के० स्वा० से० के अंतर्गत) सं० लो० से० आ० द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाए।

सं० 3332/ए०—डा० वसंत श्रीधर सहस्त्रबुद्धे, एम० बी० बी० एस० जिनकी मूल नियुक्ति अवर चिकित्सा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय अस्पताल नासिक-रोड में दिनांक 14-8-1973 से तदर्थ रूप में पहली बार एक साल के लिए हुई थी, देखिए अधिसूचना सं० 2199/ए० दिनांक 17-8-1973, आगे इसी तरह 31-3-1975 तक काम करते रहेंगे अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (के० स्वा० से० के अंतर्गत) सं० लो० से० आ० द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाए।

वि० ज० जोशी,
महा प्रबंधक,
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय,
देवास, दिनांक 4 फरवरी 1975

सं० बी० ए० पी०/ई०/स्पे०/27—श्री रा० अ० मिश्र अनुभाग अधिकारी, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में कनिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी के तौर पर की गई स्थापनापत्र नियुक्ति दिनांक 1 जनवरी, 1975 से 31 मार्च 1975 तक या पद को भर्ती नियमों के अनुसरण में नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतर हो, तदर्थ रूप से निरन्तर की जाती है।

आर० रामास्वामी,
विशेष कर्तव्य अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० 4489-जी०ई०-1/298-73—भारतीय प्रशासन सेवा इत्यादि परीक्षा, 1973 का परिणाम घोषित होने पर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों

का भारतीय प्रशासन सेवा में नियुक्ति हेतु चयन किया गया था और प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तारीख से उनको भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग से कार्यमुक्त कर दिया गया है :—

नाम	पदनाम/कार्यालय	तारीख जिस दिन से कार्य-मुक्त किया गया
सर्वश्री		
1. बी० पद्मशी राजा	भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा परीक्षाधीन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा स्टाफ कालिज, शिमला	12-7-74 (अपराह्न)
2. आर० एन० बेर्वा	-वही-	12-7-74 (अपराह्न)
3. लम्बोर रीन्जाह	-वही-	12-7-74 (अपराह्न)
4. त्रिलोक कुमार दीवान	-वही-	12-7-74 (अपराह्न)
5. वेंकटेश्वरन रामनाथ	सहायक महालेखा-कार (परीक्षा पर), महालेखा-कार, जम्मू व कश्मीर का कार्यालय, श्रीनगर	13-7-74 (अपराह्न)

दिनांक 16 अक्तूबर 1974

सं० 6396-जी०ई०-1/के०-6/बी०एफ०—श्री ए०ए० कृष्णन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को मूल नियम 56 (ख) के अधीन 11 अप्रैल, 1974 से सेवा-निवृत्त होने के लिए अनुमति दी गई है।

दिनांक 1 नवम्बर 1974

सं० 6303-जी०ई०-1/सी०-8/पी०एफ०-IV—28 अप्रैल, 1974 की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति सहित 20 अप्रैल, 1974 से 27 अप्रैल, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री पी० सी० कल्ला, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 29 अप्रैल, 1974 (पूर्वाह्न) को मुख्य लेखापरीक्षक, मध्य रेलवे, बम्बई का कार्य-भार संभाल लिया।

दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० 6877-जी०ई०-I/ए०-31/पी०एफ०-III—श्री ए० वी थडारकार, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, का सरकारी सेवा से त्यागपत्र 28 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से स्वीकृत कर लिया गया है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 7372-जी०ई०-I/147-74—महालेखाकार, राजस्थान और चण्डीगढ़ का चण्डीगढ़ शाखा कार्यालय (जिसको इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 3556-जी०ई०-1/147/74 दिनांक 19 जून, 1974 के अनुसार राजस्थान कार्यालय के साथ सम्बद्ध किया गया था) 1 दिसम्बर, 1974 से महालेखाकार, राजस्थान और चण्डीगढ़ के कार्यालय से महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय को स्थानान्तरित कर दिया गया है। परिणामतः महालेखाकार, राजस्थान और चण्डीगढ़ व महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश का पदनाम बदल कर क्रमशः महालेखाकार, राजस्थान व महालेखाकार हिमाचल प्रदेश और चण्डीगढ़ कर दिया गया है।

दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० 7599-जी०ई०-I/टी०-3/पी०एफ०—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के वरिष्ठ वेतन-मान के अधिकारी श्री बी० एस० टाइल को 14 दिसम्बर, 1973 से 8 मार्च, 1974 तक भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में अस्थायी रूप से और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दावों को क्षति पहुंचाए बिना, स्थानापन्न करने के लिए सहर्ष पदोन्नत किया है।

दिनांक 21 दिसम्बर, 1974

सं० 7726-जी० ई०-I/आर०-II/पी० एफ०-III—राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (केन्द्रीय सरकार का उपक्रम) में 29 जनवरी, 1974 से जनहित में स्थायी विलयीकरण के परिणामस्वरूप श्री सी० एस० वेनुगोपाला राव को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 37 के अनुसार उसी तिथि से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हुआ समझा जाता है।

दिनांक 1 जनवरी 1975

सं० 7848-जी०ई०-I/जी०-15/पी०एफ०-V—20 सितम्बर 1974 से 6 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर तथा सामान्य कार्यग्रहण अवधि व्यतीत करने के पश्चात् श्री के० एस० भटनागर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 18 नवम्बर, 1974 को मुख्य लेखा परीक्षक रेलवे उत्पादन, यूनिट, कलकत्ता का कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री एस० सी० बनर्जी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को कार्य-भार से मुक्त किया, जो छुट्टी पर जा रहे हैं।

सं० 7849-जी०ई०-I/आर-13/पी०एफ०-III—18 अक्टूबर और 30 अक्टूबर, 1974 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 19 अक्टूबर, 1974 से 29 अक्टूबर 1974 तक की छुट्टियों से लौटने पर श्री के० एस० रंगामूर्ति, भारतीय

लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 31 अक्टूबर, 1974 (पूर्वाह्न) को मुख्य लेखापरीक्षक उत्तर रेलवे नई दिल्ली का कार्य-भार सम्भाल लिया, उन्होंने श्री जी० बी० सिंह, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्य-भार से मुक्त किया।

सं० 7850-जी०ई०-I/एस०-21/पी०एफ०-IV—29 नवम्बर, 1974 की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति सहित 26 नवम्बर, 1974 से 28 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एस० सधुरमन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 30 नवम्बर (पूर्वाह्न) को निदेशक, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा स्टाफ कालिज, शिमला का कार्य-भार सम्भाल लिया।

सं० 7863-जी०ई०-I/एन०-7/पी०एफ०—17 अक्टूबर, 1974 से 18 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री ए० एन० नागेश्वरन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 19 नवम्बर, 1974 को मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, सिकन्दराबाद, का कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री ए० जी० नारायणास्वामी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 7864-जी०ई०-I/आर०-55/पी०एफ०—1, 14 और 15 दिसम्बर, 1974 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 2 दिसम्बर, 1974 से 13 दिसम्बर, 1974 तक की छुट्टियों से लौटने पर श्री आर० के० ए० सुब्रामण्या, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 16 दिसम्बर, 1974 को महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर का कार्य-भार सम्भाल लिया।

दिनांक 9 जनवरी 1975

सं० 36-जी०ई०-I/बी० 16/पी०एफ०-IV—18 नवम्बर, 1974 से 15 दिसम्बर 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एस० सी० बनर्जी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 16 दिसम्बर, 1974 से मुख्य लेखापरीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 41-जी०ई०-I/जे०-4/पी०एफ० V—28 अक्टूबर, 1974 से 30 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री डी०डी० जैरथ, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 30 नवम्बर, 1974 (अपराह्न) से महालेखाकार I, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद का कार्य-भार संभाल लिया। उन्होंने श्री आर० एन० जोशी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्य-भार से मुक्त किया।

महेन्द्र प्रकाश गुप्त,

सहायक नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/74-75/2701—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पी० एल० बली, को दिनांक 22 जनवरी, 75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक रु० 840-1200 के समय वेतन मान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय बिहार रांची-2

रांची 2 दिनांक ————1975

सं० —महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री सत्य रजन गांगुली स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 30-12-74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ब० प्र० सिंह,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)
बिहार।

महालेखाकार महाराष्ट्र I कार्यालय महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक

1975

सं० एडमन०-I/आई०ए०डी०/31-Vol. III—महालेखाकार महाराष्ट्र-I बम्बई, अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	दिनांक
1. श्री एम० डी० जोशी		16-10-74 अपराह्न
2. श्री ए० जी० कुलकर्णी		1-11-74 पूर्वाह्न
3. श्री एस० ए० हारनहल्ली		9-10-74 पूर्वाह्न
4. श्री वाई० डी० जोशी		21-10-74 पूर्वाह्न

क्र० सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड
सर्वश्री		
1.	बी० देव राय (पी०/127)	स्थायी लेखा अधिकारी
2.	जे० एन० बत्स (पी०/613)	स्थायी लेखा अधिकारी
3.	पी० के० बरवा (अभी नियत नहीं हुआ)	स्थापनापन्न लेखा अधिकारी
4.	के० वी० के० नायर, (अभी नियत नहीं हुआ)	स्थापनापन्न लेखा अधि-कारी

5. श्री ए० एस० नारायणन्	9-10-74 अपराह्न
6. श्री पी० डी० देशपाण्डे	22-10-74 पूर्वाह्न
7. श्री एस० परमेश्वरन्	28-10-74 पूर्वाह्न
8. श्री के० व्ही० नाडकर्णी	22-10-74 पूर्वाह्न
9. श्री व्ही० डी० जोशी	9-12-74 पूर्वाह्न
10. श्री टी० एस० कोहली	30-12-74 पूर्वाह्न

ए० बी० पोलेपकर,

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा सहायक

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1975

सं० 71019(6)/74-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सन् 1973 में ली गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति श्री गुरु प्रसाद मोहनती को 15-1-1975 (पूर्वाह्न) से भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परीक्षाधीन सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ग०—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा :—

तारीख जब से पेंशन स्थापना को अन्तरित किए गए	संगठन
31-3-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
31-3-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ।
28-2-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
30-4-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास।

एस० के० सुन्दरम

रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय महानिदेशालय
रक्षा मंत्रालय आर्डनेंस फैक्टरियां
भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा
कलकत्ता, दिनांक 5 फरवरी 1975

सं० 7/75/जी०—डी०जी०ओ०एफ० निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न अफसर सुपरवाइजर के पद पर उनके सामने दी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य, स्थायी अधीक्षक
10 जनवरी, 1975।
2. श्री मन मोहनलाल नन्दा, स्थायी अधीक्षक
10 जनवरी, 1975।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय
श्रमब्यूरो

शिमला-4 दिनांक 8 मार्च 1975

सं० 23/3/75-सी०पी०आई०—जनवरी, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1974 के स्तर 326 (तीन सौ छब्बीस) पर स्थिर रहा। जनवरी, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 396 (तीन सौ छियानवें) आता है।

कृष्ण कुमार भाटिया, निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय वस्त्र आयुक्त कार्यालय
बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० सी०ई०आर०/1/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी०ई०आर०/1/68 दिनांक 2 मई, 1968 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैराग्राफ 1 के परंतुक तीन के स्थान पर निम्न परंतुक प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(तीन) परंतु यह और कि 31 मार्च, 1974 के बाद पेंक किए वेकित वस्त्र प्रभेदों (वेराइटीज) का अधिकतम खुदरा मूल्य, एक्स फैक्ट्री मूल्य से 20 प्रतिशत अधिक होगा, या इस मूल्य से कम अन्य मूल्य होगा। यदि कोई राज्य सरकार अपने राज्य में बिकने वाले वस्त्र के लिए ऐसा मूल्य निर्धारित करे।”

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1975

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री प्रेमनाथ को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु०

के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 16-11-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० 2339 (एस० के० डी०) 19 बी०—श्री सिखेन्द्र किशोर दे, एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद के रूप में 650 रु० मासिक के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 19 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० सी० बाल्मीकि को उसी विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में अन्य आदेश होने तक, 10-12-1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (डी० जे० डी० जी०)/19 ए०—श्री ध्रुव ज्योति दास गुप्ता को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 16-12-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एस० एस०)/19 ए०—श्री सतनू सरकार को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के प्रारम्भिक वेतन पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 4-1-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 22/66/19 ए०—खनिज समन्वेषण निगम लि० (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री बी० पी० मेहता ने भंडार अधिकारी के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 30-11-1974 के अपराह्न से संभाल लिया है।

सी० करुणाकरन,
महानिदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
प्रशासन शाखा-1

नई दिल्ली-1, दिनांक जनवरी 1975

सं० प्र०-1/1 (1009)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री एस० के० तालुकदार को दिनांक 6 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री तालुकदार की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुण्डस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 5 फरवरी 1975

सं० प्र०-I/1 (374)—राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति मिशन, लंदन में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री आर० नटराजन को दिनांक 3 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-I/1 (751)—राष्ट्रपति, श्री सी० बी० एस० गौरीशंकर, सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) जो इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लि० में वरिष्ठ क्रय अधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति पर थे, को दिनांक 20-1-75 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 1 फरवरी 1975

सं० ई०-II (7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये अर्थात्:

वर्ग-2 नाइट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

(1) प्रविष्टि 'पी० आर० एम० 12 निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1975 तक' के बाद में 'पी० आर० एम० 21 निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक, को जोड़ दिया जाये।

इंशुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० 5 (18)/66-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० थम्माविद्या, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कोहिमा को 2 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (62)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री शिव कुमार, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, लखनऊ को 6 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के उन्नाहाबाद केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (31)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ज्ञान सिंह आर्य, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बम्बई को 1 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, केन्द्रीय विज्ञापन एकक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बम्बई केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (20)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती एस० एस० दिव्येन्देह, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, शिलांग को 23 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (22)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० सी० नायक, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, सम्बलपुर को 21 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (26)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० आर० हजारिका प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी डिब्रूगढ़ को 1 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० 6 (135)/63-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एस० कनक राव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, विशाखापत्तनम् को 24 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

शुद्धि-पत्र

सं० 10/10/75-एस०-तीन—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/4/74-एस०-तीन दिनांक 15/18-1-75 के पैरा-एक क्रमांक-2 में उल्लिखित श्री टी० एन० रवीन्द्र के नाम को कृपया श्री टी० एम० रवीन्द्र पढ़ा जाए।

हरजीत सिंह
प्रशासन उपनिदेशक (दूरदर्शन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 17-44/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने श्री आर० एन० पन्नार को 30 जून, 1972 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ वास्तुक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 12-29/73-एडमिन-1—श्री के० सी० चौपड़ा ने, निवृत्तिपूर्ण छुट्टी पर जाते समय 7 जनवरी, 1975 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का सेलैक्शन ग्रेड) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर श्री के० सी० चौपड़ा 31 जनवरी, 1975 अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गये।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

कृषि विमानन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1975

सं० एफ० 1-9/74-एडमिन-1—अधोहस्ताक्षरकर्ता, सर्वश्री पी० आर० पविथरन, हेलीकोप्टर मैकेनिक, जगदीश कुमार और एच० आर० सेनी एयरक्राफ्ट मैकेनिकस को स्थायी रूप से 7 जनवरी 1975 से पूर्वाह्न के कनिष्ठ वायुयान अनुरक्षण अभियन्ता 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में सहर्ष अग्रिम सूचना तक पदारूढ करते हैं।

एस० पी० सैन,
निदेशक कृषि विमानन

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1974

सं० ए० 12025/5/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में अस्थायी रूप से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय/स्टेशन
1. श्री एस० पी० कीनार		26-8-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन बंबई।
2. श्री डी० अम्बालगन		13-9-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता।
3. श्री रूप चंद		16-10-74 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण तथा विकास यूनिट, नई दिल्ली।
4. श्री राकेश कुमार टंडन		17-10-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन बंबई।

दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० ए-35021/1/74-ई० एस०—बौकारो स्टील लिमिटेड में बाह्य सेवा शर्तों पर प्रतिनियुक्ति पर जाते समय श्री टी० के० मोइत्ता ने 11 जुलाई 1974 (अपराह्न) से सहायक विमान निरीक्षक, कार्यालय नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, कलकत्ता के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंसलाल कोहली
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० ए० 38013/1/74-ई० सी०—राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के सहायक संचार अधिकारी, श्री एम० कृष्ण को उपबंध एफ० आर० 56 (के०) के अन्तर्गत 15 जनवरी 1975 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुज्ञा देते हैं।

सं० ए० 32014/4/73-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन, श्री आई० एल० राखीरा, संचार सहायक को वैमानिक संचार स्टेशन सफदरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को उसी स्टेशन पर तदर्थ आधार पर 1 अगस्त 1974 से सहायक संचार अधिकारी के पद पर श्री के० एस० गोपालन, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर जो 1-8-1974 (पूर्वाह्न) से 21-9-74 (अपराह्न) तक अर्जित छुट्टी पर थे, के स्थान पर उसी स्टेशन नियुक्त पर किया।

नई दिल्ली तारीख 11 फरवरी 1975

सं० ए 32014/1/74-ई० सी० राष्ट्रपति निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में सर्वथा तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं :

क्रम सं० नाम नियुक्ति की तारीख तैनाती वैमानिक संचार स्टेशन

- 1 श्री जी० एस० कोचीकर 7-11-74 (पूर्वाह्न) बम्बई
- 2 श्री एम० राघवन 8-11-74 (पूर्वाह्न) मद्रास
- 3 श्री के० एस० बालासुब्रमणियम 28-11-74 (पूर्वाह्न) बम्बई

सं० ए० 32013/6/74-ई० सी०—श्री एन० सुन्दरम, संचार अधिकारी, कार्यालय प्रभारी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन त्रिवेन्द्रम ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 30 नवम्बर 1974 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंस लाल कौहली

उप निदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक नागर विमानन

पर्यटन और नगर विमानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3 दिनांक फरवरी 1975

सं० ई० (1) 04243—वैद्यशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम के श्री पी० पी० कुरियां, व्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री पी० पी० कुरिया स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिचेन्द्रम में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 03750—इस विभाग के आदेश संख्या ई० (1) 03750 दिनांक 27-7-1974 में स्वीकृत छुट्टी की समाप्ति पर निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, बंगलूर के श्री एम० सी० पार्थासार्थी, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, 31-10-1974 के अपराह्न से निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ई० (1) 04288—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय के श्री आर० चेलापा, व्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री आर० चेलापा, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेध-शालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04334—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय के श्री एन० डी० पाटिल, स्थानापन्न व्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० डी० पाटिल, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० ई० (1) 06033—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा श्री बी० के० भार्गव, व्यावसायिक सहायक, जो कि इस समय महा-पंजीयक, भारत, के कार्यालय में स्थानापन्न जनगणना परि-षालन (तकनीकी) के उप-निदेशक हैं, का इस विभाग में भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) में सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर 6 अगस्त, 1973 से और आगामी आदेशों तक प्रपत्र पदोन्नति का अनुमोदन करते हैं।

सं० ई० (1) 06122—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री जी० एस० वर्मा स्थानापन्न व्यावसायिक सहायक को 2-1-1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री जी० एस० वर्मा स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04329—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय के श्री के० पी० पत्रा स्थानापन्न व्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री के० पी० पत्रा, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

नूतन दास

मौसम विशेषज्ञ

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय,

पटना, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० II(7) 1-स्था/70—इस कार्यालय के स्थापन आदेश सं० 398/74 दिनांक 30-12-74 जिसके अनुसार श्री आर० एन० प्रसाद, निरीक्षक (घरीय श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क रु० 650-30-740-35-810-व रो०-35-880-40-1000 व० रो० 40-1200 एवं नियमान्तर्गत रूप से अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय तथा सीमा शुल्क के रूप में नियुक्त हुए थे, के अनुसरण में श्री आर० एन० प्रसाद ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद विहाररासीफ एम०ओ०आर० का कार्यभार दिनांक 3-1-1975 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

हरि नारायण साहू

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

पुनर्वास भूमि उधार संगठन

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

जेपुर-764003, दिनांक 7 फरवरी 1975

सूचना

सं० बी० 4/10-3308 पी०—कार्यालय पत्र क्रमांक पी० 1/8/74-2522 दिनांक 7-12-74 जो कि श्री डी० सी० चक्रवर्ती हरकारा यूनिट न० 2 को उनकी सेवा पुस्तिका में दर्शाए गये वर्तमान एवं स्थायी पते पर सहायक अभियंता (ड्रिलिंग) आर०आर० ओ० एम० बी० 19, मलखानगिरी द्वारा भेजा गया था वह उन्हें बिना वितरित हुए, डाक व तार विभाग द्वारा यह लिखकर कि “पानेवाला बहुत दिनों से अनुपस्थित है” कार्यालय को वापिस कर दिया गया है। श्री डी० सी० चक्रवर्ती, हरकारा, को 15 दिन के अन्दर उस कार्यालय को अपने वर्तमान पता की सूचना देनी चाहिए अन्यथा यह समझा जावेगा कि उपर्युक्त पत्र जो वापस हुआ है उन्हें मिल चुका है।

ब० प्र० सक्सेना

प्रशासन अधिकारी

वास्ते मुख्य यांत्रिक अभियंता

केन्द्र जल आयोग

नई दिल्ली, 22 दिनांक फरवरी 1975

सं० क०-32014/7/74-प्रशा० 5—इस आयोग की अधि-सूचना सं० क०-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 1-11-74 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री एस० गुहा,

अनुसन्धान सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान केन्द्र पूना में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-व० रु०-35-880-40-1000-व० रु०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1-1-75 से 31-3-1975 तक की अवधि के लिए अथवा जब तक ग्रेड में नियमित व्यक्ति उपलब्ध हों, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 4-12-1974 की क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसन्धान सहायकों को स्थानापन्न क्षमता में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान केन्द्र, पूना, में रु० 650-30-740-35-810-व० रु०-880-40-1000-व० रु०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1-1-1975 से 31-3-1975 तक की अवधि के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं—

1. श्री बी० रामनाथन
2. श्री आई० जैड० पूनावाला
3. श्रीमती बालसल कुमारी
4. श्री ए० जी० काले

बी० जी० मनोन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० क-32014/2/70-प्रशा० 5 (खंड-4) —इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32014/2/70-प्रशा० 5 दिनांक 23 फरवरी, 1972 का अधिग्रहण करते हुए, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री के० डी० चौधरी को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 350-25-500-30-590-व० रु०-30-800-35-900 रुपए के पूर्व संशोधित वेतनमान में 31 अगस्त, 1971 से स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री चौधरी को 31 अगस्त, 1971 से दो वर्ष के लिए अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में परीक्षा पर माना जाएगा तथा केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर दीर्घावधि पर नियुक्ति के लिए उन्हें उस अवधि को सतोषजनक रूप में पूर्ण किया हुआ माना जाएगा।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० ए० ई० 2134/प्राम 7/3/1/इलैक०—भारतीय रेलों की बिजली इंजीनियरी सेवा के परीक्षाधीन अधिकारी श्री बी० डी० अहीरवार को पूर्व रेलवे के बिजली इंजीनियरी विभाग के अवर वेतन संवर्ग में दिनांक 15-12-73 से स्थायी किया जाता है।

बी० पी० साहनी,
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और अलंकार हाऊजिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में:—

दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० 4349—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अलंकार हाऊजिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आश रजिस्ट्रार से काट दिया गया है। उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रा० कु० जैन,
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नवागढ़ कोल एण्ड मिनरल्स लिमिटेड के विषय में:—

कलकत्ता दिनांक 31 जनवरी, 1975

सं० 13708—महामान्य हाईकोर्ट, कलकत्ता के आदेश दिनांक 20 मार्च, 1973 के अनुसरण से नवागढ़ कोल एण्ड मिनरल्स लिमिटेड का नाम कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (6) के अन्तर्गत आज दिन पुनः कम्पनियों के रजिस्ट्रार में दर्जित कर दिया गया है।

जी० एल० साधु,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बंगेदारा पब्लिकेशन लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2344/लिक्व०/1089/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि, बंगेदारा पब्लिकेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुवरना फिल्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में:—

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2108/लिक्व०/110/175—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी

सं० 2227/लिख/1093/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्वय में एतद्वारा सूचना

पी० एस० भन्वर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स नारनलाल जीवनलाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० 560/118—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स नारनलाल जीवनलाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स फिजो इन्डस्ट्रीयल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० 560/1762—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स फिजो इन्डस्ट्रीयल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स हेटल फार्नान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० 560/2004—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स हेटल फार्नान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मनीग्रार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक फरवरी 1975

सं० 560/1201—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स मनीग्रार प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद।

वित्त मंत्रालय

कार्यालय आयकर आयुक्त,
लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

आदेश

सं० एफ० नं० 81/(सी) (28)/68—आयकर उप-प्रभार जिसे आयकर अधिकारी (प्रशासन) सर्किल-1 लखनऊ के नाम से जाना जाता रहा, को एतद्वारा दिनांक 6-12-1974 से तोड़ दिया जाता है।

2. यह आदेश दिनांक 6-12-1974 से प्रभावी होगा।

ई० के० लायल,
आयकर आयुक्त
लखनऊ-I

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1975

निदेश सं० अ० 5/एच 5/74-75—अतः, मुझे,
20

ज० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इलाम इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो नाहुर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन 25-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मिनर्वा डीलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2. रेनु शिवकुमार डालमिया (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो भूमि के प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 का भाग है । गांव नाहुर, मुलुंड के पास बृहत्तर बम्बई में स्थित व मौजूद है, जिसपर उसके साथ निर्मित निर्माण की एक भांग जो माप में 2137 वर्ग फीट समकक्ष 198-53 वर्ग मीटर या आसपास जो संलग्न नकों में काले और लालरंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है, जिसकी भूमि का टुकड़ा वंशगत है और जगहें रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् उत्तर की ओर से जगह की जमीन जो माप में 1039.00 वर्ग फीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से जगह की जमीन जो माप में 2162 वर्ग फीट है द्वारा, पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 53-54-59, और 66 की जमीन में निर्मित एक पट्टी द्वारा और पूर्व की ओर से जमीन की बिना बनायी पट्टी द्वारा ।

ज० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 5 बम्बई ।

दिनांक : 25 जनवरी 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांक जनवरी 1975

निदेश सं० अ० ई० 113/18/74-75—प्रतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलामे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो नाहुर गांव मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मिनर्वा डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)
2. श्रीमती पुष्पादेवी सराफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 तथा 66 की भूमि का वह खण्ड बनाया है, गांव नाहुर, मुलुण्ड के पास बृहत्तर बम्बई साथ में उस पर निर्मित एक इमारत जो माप में 2166 वर्गफीट समकक्ष 201.22 वर्ग मीटर या आसपास संलग्न प्लान में वाला तथा लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन का वह तमाम टुकड़ा वंशानुगल है तथा रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर तथा उपनगर में स्थित है और इस प्रकार चिरा है अर्थात् उत्तर की ओर से उक्त इमारत के एक भाग जो माप में 2166 वर्ग फीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से एक उक्त जगह के एक भाग जो माप में 1020 वर्ग फीट है के द्वारा पश्चिम की ओर से उक्त जगह के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्ग फीट है द्वारा और पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 53, 54, 58 और 66 के भूमि निर्मित एक पट्टी द्वारा ।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक जनवरी 1975

निदेश सं० अ० ई० 5/108/74-75—अतः, मुझे,

13

जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इलाम इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो नाहूर गांव मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :

1. मिनर्वा डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)
2. कुमारी निर्मल बालमिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की भूमि का एक भाग बनाता है, गांव नाहूर, मुलुण्ड के पास, बृहत्तर बम्बई में स्थित और मौजूद है, साथ में उस पर निमित्त हमला का एक भाग जो माप में है 1083 वर्गफीट समकक्ष 100.611 वर्गमीटर या आसपास है और संलग्न प्लान में काले और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिसकी पैतृक रूप से प्राप्त जमीन का टुकड़ा और जगहें रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से उक्त हमला के एक भाग जो माप में 1083.00 वर्गफीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से भी उक्त हमला के एक भाग जो माप में 1083 वर्गफीट है द्वारा पश्चिम की ओर से उक्त हमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गफीट है द्वारा और पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की भूमि के एक भाग की अनिमित्त जमीन की पट्टी द्वारा ।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : -1-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-दिनांक 28 जनवरी, 1975

निर्देश सं० ए० सि० 81/आर० II/कल/74-75—अतः
मुख्य, आर० बी० लालमोया आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 24/7 है तथा जो राजा संतोष रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्सेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत घिलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3—486GI/74

1. श्री महावीर प्रसाद पोद्दार,
ए०-9/25, वसन्त बिहार,
नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. मैसर्स केयाल कोर्द प्रा० लि०
90/1, चौरंगी रोड,
कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

24/7, राजा संतोष रोड, कलकत्ता में 2 बीघा 10 काटा
11 छटाक 4 स्कोयार फुट जमीन है ।

आर० बी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, रफीअहमद किदवाई

रोड कलकत्ता

तारीख : 28-1-75 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अशोक मार्केटिंग लि० (अन्तरक)
2. मिनर्वा डिनर्स प्रा० लि० (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो, तो:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी, 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/1/98/3/74-75—अतः मुझे जे०एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इलाहे इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० प्लॉट नं० आर० 4-5 है, जो गांव नाहुर मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधियां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्लॉट नं० आर०-4 तथा आर०-5 कुल क्षेत्र 1263 वर्गगज, गांव नाहुर, मुलुण्ड, बृहत्तर बम्बई में स्थित है।

जे०एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 25-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० ट्ट० 5/110/75/74-75—अतः मुझे
जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज-5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इलामे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 71 (अंश) सी० टी० एस० 731 (अंश
सर्वे नं० 66 (अंश) सी० टी० एस० नं० 731 (अंश) है, जो
नाहूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-6-74

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच लय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री पाडुरंग के० भोईर (अन्तरक)

2. श्री पदाम कुहोडिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो,
तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहूर बृहत्तर बम्बई
में स्थित और मौजूद है, जिसका पहले सर्वेक्षण नं० 71 (अंश)
सी० टी० एस० नं० 731 (अंश) माप में 9339 वर्गगज समकक्ष
7808.6 वर्ग मीटर या आसपास और द्वितीय सर्वेक्षण नं० 66
(अंश) सी० टी० एस० नं० 731 (अंश) माप में 471 वर्गगज
समकक्ष 393.8 वर्गमीटर या आसपास, दोनों माप में 9810
वर्गगज समकक्ष 8202.4 वर्गमीटर या आसपास और इस प्रकार
घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 66 (अंश)
सी० टी० एस० नं० 763, 731 की जमीन द्वारा, पश्चिम
की ओर से लालबहादुर शास्त्री मार्ग द्वारा उत्तर की ओर से
सर्वेक्षण नं० 71 (अंश) सी० टी० एस० 728 और 731 की
जमीन द्वारा और दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 72 (अंश)
सी० टी० एस० 733 और गोरेगांव मुलुण्ड लिंक रोड द्वारा ।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 5, बम्बई

तारीख : 29-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई ।

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० टू० 5/4/107/74-75— अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो नाहुर गांव, मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रसिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मिनहर्षा डिलसं प्रा० लि० (अन्तरक)

2. कुमारी शशी डालमिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 तथा 66 की भूमि का एक भाग बनाता है, गांव नाहुर, मुलुण्ड के पास, बृहत्तर बम्बई में स्थित है साथ में उस पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 1067.37 वर्गफीट समकक्ष 99.16 वर्गमीटर या आसपास है और संलग्न प्लान में काले ब लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिसकी पैतृक रूप से प्राप्त जमीन का टुकड़ा और जगहें रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1081 वर्गफीट है द्वारा दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की भूमि के एक भाग की अर्निमित जमीन की पट्टी द्वारा, पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 53, 54, 59 तथा 66 की भूमि के एक भाग की अर्निमित जमीन की एक पट्टी द्वारा और पूर्व की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गफीट अर्थात् 99.16 वर्गमीटर है द्वारा ।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 29-1-75

मोहर

अर्जन रेंज-5, बम्बई

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 जनवरी 1975

1. श्री राम सरन लाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती फूल कली देवी व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

निर्देश सं० 23-पी०/अर्जन—यतः मुझे, विश्वम्भरनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 है तथा जो शाहगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुल्तानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1973/7-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकाम जिसका क्षेत्रफल (68'×13') है, जोकि मुहल्ला—शाहगंज, जिला सुल्तानपुर में स्थित है ।

विश्वम्भरनाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 25-1-1975

अर्जन रेंज, लखनऊ

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-II

मद्रास-II, दिनांक 29 जनवरी 1975

निदेश सं० 1348/74-75—मतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 24, मोन्ट रोड, मद्रास-35 है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० ओ०; मद्रास में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना और या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना और;

मतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० पी० अन्सारी, (अन्तरक)
मद्रास-35।

(2) श्रीमती शरीफ बनि (अन्तरिती)
पून्तोदुटम; नक्षिलम नालुका;
तन्जाऊर जिला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 35; मोन्ट रोड, डोर सं० 24 में 1629 स्क्वेच
फीट का पहला फ्लोर (प्लॉट सं० 4; ब्लॉक सं० 9; आर०
एस० सं० 4/2-ए०/2, टी० एस० सं० 4)

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 29-1-1975
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी, 1975

निदेश सं० 1348-ए०/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र
राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24, मौन्ट रोड, मद्रास-35 है;

(और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० ओ० मद्रास
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 17-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० पी० अन्सारी; (अन्तरक)

मद्रास-35 ।

(2) कुमारी फरीदा बीवी श्रीर (अन्तरिती)

श्री बशीर अहमद; नखिलम

तालुका, तन्जाऊर जिला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-35, मौन्ट रोड, डोर सं० : 24 में 1629 स्क्वेयर
फीट का ग्राउन्ड फ्लोर (प्लॉट सं० 4; ब्लॉक सं० 9; आर०
एस० सं० 4/2-ए०/2 टी० एस० सं० 4) ।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 29-1-1975

अर्जन रेंज II, मद्रास

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी, 1975

निर्देश सं० 3172/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० तिरुचि; पेट्टवातलै गांव में एस० सं० 22/5;
23/4; 23/6; 25/1, 25/3; 26/4; 26/3; 27/6;
27/6; 20/1 और 31/1 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय तिरुचि (आकुमेन्ट सं०: 4052) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधि-

नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री एन० आर० सुन्दरराज आड्यर, (अन्तरक)
नंगवरम तिरुचि
- (2) बानू पेपर मिल लिमिटेड,
तिरुचि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचि, पेट्टवातलै गांव में 25-76 एकड़ खासी भूमि
जिसकी एस० सं० 22/5; 23/4; 23/6; 25/1; 25/3;
26/4; 26/3; 27/6; 27/6; 20/1 और 31/1।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 29-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी, 1975

निर्देश सं० 1368/74-75—यसः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी एस० सं० 9/4 और
9/6 बड अघरम गांव (22 गाउन्ड) है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों,
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-ब के
प्रनुसरण में, मैं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-486GI/74

(1) श्री एन० केसव नायधर;
के० अन्नदन; ए० मोहनसुन्दरम
(मैनर) मद्रास-7। (अन्तरक)

(2) विकाश साल्वेस्ट्रुक्स प्राईवेट लिमिटेड,
मद्रास-34 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, बड अघरम गांव सं०: 108 में 22 गाउन्ड की खाड़ी
भूमि (जिसकी आर० एस० सं०: 9/4 और 9/6)।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 29-1-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1975

निदेश सं० 1369/74-75—मतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सखम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० एस० सं० 9/1 और 9/3 बी, गांव सं० 108,
वड अश्वरम, कोडम्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अपूर्वो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोडम्बाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मूलन्वडि चिट फन्डस प्राइवेट लिमिटेड
मद्रास-28। (अन्तरक)

(2) विकास साल्वेस्ट्रक्स प्राइवेट लिमिटेड
मद्रास-34। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में द्वापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास कोडम्बाक्कम, वड अश्वरम गांव सं० 108 में 6
प्राउन्ड और 1248 स्क्वियर फीट का खाली भूमि जिसका एस
सं० 9/1 और 9/3 बी।

ए० रागवेन्द्र राव
सखम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),

तारीख : 29-1-75

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० 1369/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
 जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और
 जिसकी सं० एस० सं० 9/1 और 9/3 बी, गांव सं०
 108, बड अश्वरम, कोडम्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (और इससे
 उगावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-1974
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
 मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के
 लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
 देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
 बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए
 कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधिनियम की धारा 269-घ
 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मूलगुडि चिट फण्डस प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरक)
 मद्रास-28।

(2) विकास साल्वेक्स्ट्रक्च (अन्तरिती)
 प्राईवेट लिमिटेड, मद्रास-34।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए
 कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, दफ्तराधिकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
 सम्पत्ति के घर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
 आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
 नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने
 ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क में दयापरिभाषित हैं, वही अर्थ
 होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास कोडम्बाक्कम, बड अश्वरम, गांव सं० 108 में 6
 आउन्ड और 1152 स्क्वियर फीट का खाली भूमि जिसका एस
 सं० 9/1 और 9/3 बी।

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

घर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 29-1-75

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए० ई० 5/99/4/7-4-75—यत, मुझे जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज- 5, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 9 (अंश) 13-15 और 16 है, जो मोहिली गांव में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6 74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनुबाई आंगस्टीन बरगीस (अन्तरक)
2. श्री जितेन्द्रकुमार तुलसीदास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप हो, तो --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्याबर सम्पत्ति में अंतर्भूत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परती छवि भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो नाव माहिली कुर्ला अन्धेरी रोड के किनारे, तालुका कुर्ला में, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर, अभी कृष्णर बम्बई में स्थित है और जिसका सर्वेक्षण नं० और हिस्सा नं० इस प्रकार है।

सर्वेक्षण नं०	हिस्सा नं०	वर्गगज में क्षेत्र
8	15 (अंश)	121
8	16	363
		<hr/> 484 <hr/>

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 31-1-75 अर्जन रेंज-5, बम्बई
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 93/74-75—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10-2-243 और 244 मारेडपल्ली है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. (1) श्री के० नागेन्द्र राव पुत्र
के० सारामैया नं०
(2) के० सुधीर और (3) के० विनोद पुत्र
(अन्तरिती)

नागेन्द्र राव, नं० 1724 गंज बाजार, सिकन्दराबाद

2. श्री एफ० नेजराज पुत्र फकीर चन्द्र,
7-1-788, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—ईमारत जो प्लॉट नं० 173, नं० 10-2-243 और 244, नेहरू नगर, मारेड पल्ली, सिकन्दराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

तारीख: 4-2-1975

मोहर:

अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन ६० सं० 3/564/74-75—यतः मुझे, धार० जी० नरकरकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3, सर्वे सं० 105 से 107 और 109 से 112 तक है, जो गोरे गांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्टर का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स सोमानी एण्ड कं० प्रा० लि०

दास चेंबर्स, 25, दलाल स्ट्रीट,

फोर्ट-1, बम्बई-1।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लक्ष्मी नारायण भगवान बक्स,

158/164, कालबादेबी रोड, बम्बई-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप, हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : : इसमें प्रुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सोमानी ग्राम के प्लॉट नं० 3, राम मंदिर रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62, बम्बई उप-नगर जिला और रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई नगर और उपनगर और उपर्युक्त प्रथम सूची में खासकर लिखित जमीन का एक भाग जो माप में 1733 वर्गमीटर (2072.67 वर्गगज) और उक्त सब प्लॉट इसके साथ संलग्न प्लान में अच्छी तरह वर्णित है और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है। उत्तर में सर्वेक्षण नं० 112 (हिस्सा नं० 1 अंश) द्वारा, पूर्व में प्लॉट नं० 4 द्वारा, दक्षिण में प्रस्तावित 30 फीट चौड़े रोड द्वारा और पश्चिम में प्लॉट नं० 2 द्वारा घिरा हुआ है।

धार० जी० नरकरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 4-2-75

मोहर

अर्जन रेंज-3, बम्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1975

निर्देश सं० अर्जन रेंज/207/गाजियाबाद 74-75-612—यतः
मुझे आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 77 व 72 है जो राइगंज, गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सईदन पत्नी श्री महमूद अहमद; श्री अजीबुद्दीन श्री मोहम्मद सिद्दीकी; श्री इकबाल अहमद; श्री अब्दुल करीम;

श्री राजोउद्दीन; श्री शहजुद्दीन; श्री अमिर अहमद पुत्रगण श्री नजीर अहमद; श्री सिराजुद्दीन पुत्र श्री अबदुल मजीद और हबीब अहमद; श्री इस्लामुद्दीन पुत्रगण श्री अबदुल वाहिद और श्रीमती शाहजहान पुत्री श्री अबदुल वाहिद; पत्नी श्री उसमान खा; श्रीमती अखतरी पुत्री श्री अबदुल वाहिद और पत्नी श्री अबदुल रशीद; श्रीमती नूरो उर्फ नूर जहान पुत्री श्री अबदुल वाहिद और पत्नी श्री अबदुल अजीज; श्री शहाबुद्दीन; श्री शेरजुद्दीन पुत्रगण श्री करीमुद्दीन निवासी गांव सदरपुर, डाकखाना डाकाल, तहसील गाजियाबाद, जिला मेरठ (अन्तरक);

2. श्रीउम्मान पुत्र श्री मोहम्मद शफी, श्रीमती अजीजन—पुत्री श्री अबदुल मजीज और पत्नी हाजी मोहम्मद इस्माइल उर्फ पंगले; श्रीमती नूरजहान बेगम पुत्री श्री अबदुल मजीज और पत्नी श्री सन्सन निवासी मो० गंदा नाला, राईगंज गबी, मकान नं० 43, गाजियाबाद, परगना लोनी, तहसील गाजियाबाद, जिला मेरठ (अन्तरिती);

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों होती में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकान 77 व 78 बाकै राइगंज गन्दानाला, (गाजियाबाद जिला मेरठ। जिसका हस्तांतरण 360,000/-) में हुआ है।

आई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 6-1-75

अर्जन रेंज, कानपुर।

मोहर:

प्रारूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/212/कानपुर/74-75—यतः, मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 7/109 ए है जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इलेन सोनी पत्नी श्री राजेश सोनी निवासी 15, सरोजनी नगर न्यू देहली, जेम्स नील पुत्र स्व० मि मलकोन जार्ज नील निवासी 7/109ए स्वरूप नगर, कानपुर, मिसेज हेलन मरे (नी नील) पत्नी कोलिन मरे निवासी 7/109ए, स्वरूप नगर, कानपुर,

मिसेज पामेला विलियमस पत्नी राजा विलियमस निवासी 7/135, स्वरूप नगर, कानपुर, कुमारी नीली नील और चार्ल्स नील, बच्चे आफ मिस्टर एम० जी नील निवासी 7/109ए, स्वरूपनगर, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला खन्ना पत्नी श्री अमर नाथ खन्ना, श्रीमती उमा खन्ना पत्नी श्री कैलाश नाथ खन्ना और श्रीमती इन्द्रा खन्ना पत्नी श्री अनिल कुमार खन्ना निवासी 7/140, स्वरूप नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. श्री कैलाश नाथ खन्ना, 7/109ए स्वरूप नगर, कानपुर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हो कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरूकरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 7/109ए जिसका क्षेत्रफल 525 वर्ग गज जो कि स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है जिसका हस्तांतरण 37,500/- में हुआ है।

बाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 6-1-1975

अर्जन रेंज, कानपुर।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/154/गाजियाबाद/2606—यतः, मुझे
वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी०-1 है जो माडेल टाऊन, गाजियाबाद में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-9-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —
5-486GI/74

श्रीमती सरला कुमारी अरोरा पत्नी
सुरेश चन्द अरोरा निवासी 48, साकेत,
मेरठ द्वारा श्री महेश चन्द नरुला पुत्र
श्री हकमी अमीर सिंह नरुला निवासी
145, पुष्ता मार्ग, गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

श्री वेद प्रकाश
श्री प्रेम चन्द
श्री धर्म पाल
श्री जय पाल
श्री यश पाल

पुत्रगण श्री आत्मा राम निवासी कर्तन
बाली गली छोटी बजरिया,
गाजियाबाद जि० मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

श्री प्लाट नं० सी०-1 क्षेत्रफल 1300 वर्ग गज (1/2 भाग
निम्न सीमा माडल टाऊन गाजियाबाद/जिसका हस्तातरण
30,000/- में हुआ है ।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 6-1-1975

अर्जन रज, कानपुर

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/143/देहरादून/74-75/2607—यतः,
मुझे वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19/5/19-सी है जो बलवीर रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुझा बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुझा बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री आनन्दी देवी पत्नी मेजर दलीप सिंह
सजवान निवासी 41. शर्मदा त्यागी
रोड, देहरादून (अन्तरक)

2. श्रीमती विजय लक्ष्मी पाण्डे पत्नी एम०
डी० पाण्डे, (अन्तरिती)
निवासी 16, बलवीर एडव्यू,
देहरादून।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—दम में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति स्कूनिस्पल नं० 19/5/19 सी जो कि बलवीर रोड, देहरादून में स्थित है। कम्प्राइमिंग काटेज, भूमि जिसका क्षेत्रफल 880 वर्ग फिट जिसका हस्तांतरण 32,000/- में हुआ है।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 3-1-75

अर्जन रेंज, कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/165/कानपुर / 74-75/2604—

यतः, मुझे आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 55/67, है जो काछूकोठी, कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी मोहन नाथ कौल और
ब्रह्म मोहन नाथ कौल पुत्र स्व०
श्री पं० रमेशवर नाथ कौल निवासी
55/67 शतरंजी मोहल्ला, कानपुर। (अन्तरक)

2. ईश्वरी देवी मिश्रा पत्नी उमा नाथ मिश्रा
और गोपाल नारायण मिश्रा,
जगदीश नारायण मिश्रा, कैलाश नारायण
मिश्रा पुत्रगण उमानाथ मिश्रा निवासी
47/96 धय्या कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित, है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 55/67, स्थित काछूकोठी, कानपुर भाग सी
जिसका हस्तांतरण 1,00,000/- में हुआ है।

आई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 6-1-75

अर्जन रेंज, कानपुर।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/188/कानपुर/74-75/2605—यतः,
मुझे वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 25 है जो आनन्दपुरी 133/60 जूही कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

1. स्वदेशी काटन, मिल्स, कम्पनी लि०,
कानपुर

(अन्तरक)

2. श्री राम अवतार सराफ पुत्र महावीर
प्रसाद सराफ

23/48, पटकापुर, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

प्लॉट नं० 25, जिसकी माप 866.66 वर्ग गज है जोकि आनन्दपुरी 133/60, जूही, कानपुर में स्थित है । जिसका हस्तांतरण 51,999.60 में हुआ है ।

वाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 3-1-75

अर्जन रेंज, कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1975

निर्देशन सं० अर्जन 5/विधुना-74-75/2603--यतः, मुझे,
वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सूची के अनुसार है जो विधुना जिला इटावा में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विधुना में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरिवास मल उर्फ हरीदास मल पुत्र
दातू मल उर्फ दास मल निवासी नगला,

नेविसगंज उपग्राम बोदेपुर।

विधुना पो० अछलदा जिला इटावा।

(अन्तरण)

2. देवनदास पुत्र मेहर चन्द
मोहन दास पुत्र दीवान दास
गोविन्द दास पुत्र दीवान दास
रमेश लाल पुत्र मूल चन्द
सभी निवासी भर्तना पो० और परगना
भर्तना जिला इटावा

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि धरि भूमि खाता 2.91 एकड़ बहार खसरा नं०
830 (क्षेत्र 1.04 एकड़), 829 (एरिया 0.63 एकड़),
832 (0.07 एकड़), 831 (0.13 एकड़), 831 का
(0.66 एकड़) और 832 का (0.01 एकड़), 833 (0.75
एकड़) और टिन शेड, फेसिंग वाल, दरवाजे वगैरह पीछे दूसरे
निर्मित चिमनी वगैरह स्थित गांव बोदेपुर, परगना, विधुना
जिला इटावा। जिसका हस्तांतरण 50,000/- में हुआ है।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, कानपुर।

तारीख : 6-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975

निदेश सं० अर्जन/189/कानपुर/74-75/2602—यतः,
मुझे, आई० खोबर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 67 है जो 133/50 आनन्दपुरी जूही कानपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जहां—

(1) स्वदेशी काटन मिल्स कंपनी लि०, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्याम सुन्दर केडिया पुत्र शंकर लाल केडिया
16/38, मिथिल लाइन, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अन्तर सम्पत्ति प्लॉट नं० 67 जिसका क्षेत्रफल 777.77
वर्ग गज है जो कि आनन्दपुरी, 133/60 जूही कानपुर में स्थित है ।
जिसका हस्तांतरण 42777.35 (अर्थात् 42777) में हुआ है ।

आई० खोबर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक : 3-1-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/181/कानपुर 74-75/2601—यत, मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० 128/11 'जी' है जो किववई नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 17-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री वैजनाथ टण्डान पुत्र श्री राम कृष्ण टण्डान निवासी 47/132, हरियावर्तन बाजार, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्री सत्य नारायण मिश्रा पुत्र श्री श्रीराम मिश्रा निवासी 53, बसती नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान 128/11 'जी' जिसका एरिया 200 वर्ग गज है जो कि किववई नगर कानपुर में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 37,000/ में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक : 3-1-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं अर्जन/120/देहरादून/2600—यतः, मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है जो राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक और अन्तरिती के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चनुपाल सूद पुत्र स्व०, कृपा राम सूद निवासी 7/17, रूपनगर, देहली-7 और श्री परमानन्द सूद पुत्र स्व० रूलिया राम सूद निवासी 49/4, राजपुर रोड, देहली-6 (अन्तरिक)

(2) हरवर्ट क्रिसचियन अस्पताल एसोशिएशन ए० सोसाइटी रजिस्टर्ड अन्डर दी इण्डियन सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट आफिस 25-ए, सन्डल रोड (मद्रास) (अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी मकान नं० 153 डी (न्यू नं० 153/4) स्थित राजपुर रोड देहरादून कम्प्राइसिंग 68493 वर्ग फिट भूमि के साथ मकान, गैरेज वगैरह, निर्मित सरवेन्ट क्वार्टर्स और बिजली तथा पानी फिटिंग और तार (वाई) फेसिंग और गेट जिसका हस्तांतरण 1,25,000/- में हुआ है।

आई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 6-1-1975।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/कानपुर/149/74-75/2503 यतः, मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और प्लॉट सं० 601 है जो कैंटूमेंट, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-486GI/74

(1) श्रीमती सहोदरा देवी अग्रवाल विधवा स्व० लाला रघुवर दयाल अग्रवाल निवासी 47/84, घटिया, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती गिरजा देवी पत्नी राम नाथ गुप्ता, हरीनाथ गुप्ता पुत्र श्री सीसहन लाल गुप्ता, सभी निवासी 76/93 कुली बाजार, कानपुर विवेक कुमार गुप्ता पुत्र केदार नाथ गुप्ता निवासी 49/208, जनरलगंज, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 601, रकबा 0.26 एकड़ अर्थात् 1258.40 वर्ग गज जो कि कैंटूमेंट, कानपुर में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 40000) में हुआ है।

आई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 6-1-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/185/कानपुर 74-75/2582—यतः,
मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 43 है जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

(1) नरायण निगम एडवोकेट, 15/87ए, सिविल लाइन्स
कानपुर (अन्तरक)

(2) श्री प्रभू दास साह, बच्चू भाई, नवीन भाई एवं श्रीमती
विजया गौरी, 26/59, विरहामा, रोड़, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 43 का भाग स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है।
जिसका माप 2131.5 वर्ग गज है जिसका हस्तांतरण 1,14,000
में हुआ है।

आई० खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 3-1-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/118/आगरा/74-75/2581—यतः, मुझे
वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22/14ए है जो, पुराना विजय नगर कालोनी
आगरा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
3-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सविता देवी अग्रवाल पुत्री स्व० रतन लाल
और पत्नी राम सेवक अग्रवाल, 1177 (पुरानी)
16/157, पाठक सूरज भात बेलनगंज,
आगरा (अन्तरक)

(2) लेख राज पुत्र श्री ग्यान चन्द निवासी अमुना बैक,
बेलागंज, आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बरी 22/14ए बांके (पुरानी) विजयनगर कालोनी,
आगरा। जिसकी भाप 844.4 वर्ग गज है जिसका हस्तांतरण
50000 में हुआ है।

वाई० खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 3-1-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/51/हापुड़ /74-75/2580—यतः, मुझे

वाई खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है जो श्रीनगर, हापुड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुधाकर मिश्रा पुत्र श्री बाबू राम मिश्रा निवासी मो० रेलवे रोड़ श्रीनगर हापुड़ (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा मिश्रा पत्नी श्री सुधाकर मिश्रा निवासी मोहल्ला रेलवे रोड़, श्री नगर, हापुड़ जि० मेरठ सूची के अनुसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला क्वाटर्स जिसका सम्पूर्ण एरिया 528 वर्गगज (खाता न० 2730) स्थित गांव अशोदा मो० रेलवे रोड़, श्रीनगर हापुड़ (पहला भाग) मकान न० 273/3, कुल एरिया 744 वर्ग गज स्थित रेलवे रोड़ (खाता न० 2730) स्थित अशोदा रेलवे रोड़, श्रीनगर, हापुड़।

जिसका हस्तांतरण 40500) में हुआ।

वाई खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर।

तारीख : 6-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० एफ अर्जन/93 गाजियाबाद/74-75/2579—
यतः मुझे, वाई खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 667 है जो, गांव गुलधर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-6-74 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम दास पुत्र श्री तुला राम निवासी 95/ए म्यू डबल स्टोरी लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम दयाल मोकवा गुलधर (दरगल) द्वारा शिवचरन प्रसाद एवं राम चरन सहाय पुत्रगण श्री मिक्की सहाय निवासी 5/2, गुलधर (7 रगल) परगना जलालाबाद त० गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला गृहावा खसरा नं० 667 रकबा 1500 वर्ग गज आके ग्राम गुलधर अन्तर हद्द नगर पालिका, गाजियाबाद ।
जिसका हस्तांतरण 48000/- में हुआ ।

वाई खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख 6-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/157/कानपुर 74-75/2578— यतः,
मुझे वाई खोखर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 126/50 है जो गोविन्द नगर, कानपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1967
(1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोरी जंकर पुत्र श्री गया प्रसाद श्रीवास्तवा
126/50, जी-ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती श्याम सुन्दरी मिश्रा पत्नी स्व० जगन्नाथ प्रसाद
मिश्रा 89/11, जे० के० क्वार्टर्स अन्वरगंज, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 126/50 जी-ब्लाक गोविन्दनगर प्लॉट नं० 34
जिसका माप 311 वर्ग गज है।

जिसका हस्तांतरण 46000/- में हुआ।

वाई खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख 6-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/168/कानपुर/2577 74-75/—यत्
मुझे, आई खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 15 है जो फैक्ट्री एरिया, कानपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) साधू राम पुत्र गणेशमल निवासी कौशलपुरी उपस्थित
निवासी महेश बनर्जी रोड़, पो० पाली बरी खरवा
जि० 24 परगना वेस्ट बंगाल (अन्तरक)
- (2) पिलको फार्मा 117/622, पांडव नगर, कानपुर
द्वारा शिव धरन लाल पार्टनर फर्म (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित्ता प्लॉट नं० 15 रकबीद शमल थ 84 ए ब्लॉक पी०
स्कीम न० एक जिसका नगर महापालिका, कानपुर से 123/37
कायम है। बाकी फैक्ट्री एरिया, कानपुर। जिसका हस्तांतरण
1,21,968) में हुआ है।

आई खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 6-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई० 2/1025/2483/74-75—अतः मुझे वि० र० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एन० ए० एस० नं० 100 है, जो स्थावर दान्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|-----------------------------|------------|
| (1) श्री धनजीशा एच० नानावटी | (अन्तरक) |
| (2) श्री होशंग डि० नानावटी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि प्रयोग्य भूमि का मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग साथ में उस पर स्थित गृहवाटिका इमारतें, मकान, घरों तथा भवनों सहित जो कि रजिस्ट्री जिला बम्बई में उपनगर के रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा में बम्बई उपनगर जिले के साऊथ सालसेट तालुका, जहाँ के रेवेन्यू विलेज में पाली हिल बान्द्रा में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है जो कि माप से 1452 (एक हजार चार सौ बावन) वर्गगज या उसके लगभग 1214.0172 वर्गमीटर के समकक्ष है एवं डांडा का तौन एग्रीकल्चरल सर्वेक्षण क्र० 100 धारण किये हुए है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से एन० ए० नं० 103 की जायदाद पहले कावसजी मीवानजी सेठ और अभी भारतीय जीवन बीमा निगम की जायदाद द्वारा, पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 313 ए, हिस्सा नं० 1, पहले इनेशियस एफ० परेरा और अभी भारतीय जीवन बीमा निगम की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से एन० नं० 87 जो पहले मूलरात खटाव और अभी श्री मूस की जायदाद द्वारा और पश्चिम की ओर से पाली हिल रोड और बम्बई महानगरपालिका द्वारा एच वार्ड नं० 2124, गली नं० 38 ए, पासी हिल के अन्तर्गत निर्धारित है। जायदाद का मिट्टी रजिस्टर नं० 1357, 1358, 1359, और 1360 है।

उपरोक्त जायदाद में 1/5 भाग

वि० र० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 29-1-75
मोहर .

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, एरणाकुलम

कोचिन II, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० एल० सी० 24/74-75—यतः मुझे टी० बी० स्वामिनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० सर्वे 37/1 है तथा जो शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शंकरनकुट्टि मेनोन, पुरकोलीवीट्टिल कुन्जिकावु धम्मा, करिस्तला, एरणाकुलम के पुत्र (अन्तरक)

(2) श्री के० के० बालन, कृष्णन, केलमंगलतु परम्पल वीडु, ट्रिक्कारवडम, एरणाकुलम, कोचिन-18 के पुत्र (अन्तरिती)

(3) 1. पेरिन्गत्त प्रभाकर मेनोन, शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम,

2. एल० रंगनाथन, नभी, शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम के पुत्र।

3. डी० जे० रोबर्ट, ब्रासबेट्ट, रोबर्ट शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम, के पुत्र। (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला (कोचीन) के शिवराम मेनोन रोड के सर्वेक्षण संख्या 37/1 के अन्तर्गत 19 सेन्ट्स और 060 स्क्वियर लिम्स भूमि तथा सक्का।

टी० बी० स्वामिनाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, एरणाकुलम

तारीख : 4-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख 5-2-1975

निर्देश सं० एसीक्यू 23-1-345 (134)/10-1/74-75-
मत: मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० सर्वे नं० 56-डी-2, 55-डी-2, है, तथा जो
लीडी बाजार, सूरिया फली, जामनगर में स्थित है (और इसके
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

मत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) श्री सोनी नारणजी हेमराज
- (2) सोनी भगवानदास नंदलाल
- (3) सोनी रजनीकान्त नंदलाल (अवयस्क)
- (4) सोनी हरकीशन नंदलाल (अवयस्क)
- (5) सोनी कांतिलाल नारणजी
- (6) सोनी रघुनाथदास कांतिलाल (अवयस्क)
- (7) सोनी देवेन्द्र कांतिलाल (अवयस्क) रेलवे
स्टेशन के निकट जामनगर

(अन्तरक)

- (2) (1) मेमण महमदफारुक हाजीअहमद (अवयस्क) तथा
- (2) मेमण हमदहुसेन हाजीअहमद (अवयस्क)

के अभिभावक श्रीमती वाली हनीफाबाई दादा,
मणोयार शेरी, जामनगर

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो लीड बाजार, सूरियाफली, जामनगर
में स्थित है और जिसका सर्वे नं० 56-डी-2, 55-डी-2 है और
जिसका पूर्ण विवरण जामनगर सन रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्रीकृत
बिक्री दस्तावेज नं० 1392 दिनांक 6-6-74 में दिया गया है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 5-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1975

निर्देश सं० एसोव्यू० 23-1-346(135)/10-1/74-75—
यतः मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० सर्वे नं० 56-डी-2 है, तथा जो लोडी बाजार, सूरिया फली, जामनगर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या अन्यथा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सोनी नारणजी हेमराज
 - (2) सोनी भगवानदास नंदलाल
 - (3) सोनी रजनीकांत नंदलाल (अवयस्क)
 - (4) सोनी हरकीशन नंदरार (अवयस्क)
 - (5) सोनी कांतिलाल नारणजी
 - (6) सोनी रघुनाथदास कांतिलाल (अवयस्क)
 - (7) सोनी देवेन्द्र कांतिलास (अवयस्क)
 स्टेशन के निकट जामनगर (अन्तरक)
- (2) श्री मेमण मलीमामद हाजीमुसा
 - (2) हाकून हाजीमुसा
 - (3) इकबाल हाजीमुसा (अवयस्क)
 - (4) महमदसीदीक हाजीमुसा (अवयस्क) मणोयार शेरी, जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

एक अथवा सम्पत्ति जो लोडी बाजार सूर्या फली जामनगर में स्थित है और जिसका सर्वे नं० 56-डी-2 है और जिसका पूर्ण विवरण जामनगर सब रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 1393 दिनांक 6-6-74 में दिया गया है

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 5-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 75

निर्देश सं० अ० ई०/102/7/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें हलाके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० है, जो नाहुर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) रोधोमल धार० मोतीरानी (अन्तरक)

(2) श्री हिरजी प्रेमजी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तरोक्त संश्लिष्ट द्वितीय अनुसूची

प्रथमः—जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर मुलुण्ड कुरला तालुका, बम्बई उपनगर जिला रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 152 (अंश) और 145, जिसका नं० 1 (अंश) का एक भाग है। विभाजित प्लॉट नं० 1 जो मापमें 4020.47 वर्गगज या 3351.11 वर्गमीटर या आसपास है। और इस प्रकार घिरा हुआ है। उत्तर की ओर नाहुर गांव रोड द्वारा, पश्चिम और दक्षिण ओर से 30 फीट चौड़े स्कीम रोड द्वारा—और पूर्व की ओर से अंशतः स्कीम रोड, और अंशतः अमृत छाया को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि० की जायदाद द्वारा

द्वितीयः—जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर मुलुण्ड कुरला तालुका मुंबई उपनगर जिला रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है जमीन का एक भाग जिसका सर्वेक्षण नं० 152 (अंश) और माप में 3274.86 वर्गगज या 2737.78 वर्ग फीट या आसपास के विभाजित प्लॉट है, इस प्रकार घिरा हुआ है। उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 154 द्वारा दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 152 (अंश) द्वारा पश्चिम की ओर से नाहुर गांव रोड द्वारा और तीन श्रेणिक को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि० की जायदाद द्वारा।

तृतीयः—तृतीय जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर मुलुण्ड कुरला तालुका मुंबई उपनगर जिला, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है। जमीन सर्वेक्षण नं० 153 (अंश) और 145 की हिस्सा नं० 2 और 4 (अंश) की भूमिका भाग है, माप में 3252.31 वर्गगज या 2718.93 वर्गमीटर या आसपास है और उसके साथ संलग्न प्लान में बगीचा के रूप में रिवाकित है।

चतुर्थः—जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर, मुलुण्ड, तालुका मुंबई कुरला तालुका बम्बई उपनगर जिला रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है, जमीन के भाग का सर्वेक्षण नं० 152 (अंश) और हिस्सा नं० 1 (अंश) जो माप में 1593.88 वर्गगज या 1332.48 वर्गमीटर या आसपास है इसके साथ संलग्न प्लान में ब्राउन रंग से दर्शाया गया है जो कि भ्रान्तरिक स्कीम रोड की जमीन के अन्तर्गत है।

पांचवाः—सभी टुकड़े या जमीन का भाग जमीन जो गांव नाहुर मुलुण्ड, कुरला तालुका मुंबई उपनगर जिला, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है। जमीन का भाग जिसका सर्वेक्षण नं० 152 (अंश) मापमें 124.77 वर्गगज या 104.31 वर्गमीटर या नं० आसपास है और इसके साथ संलग्न प्लान में नीले रंग से दर्शाया गया है जो क्षेत्र उसके पीछे है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख 31-1-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग, कोचिन 11

एरणाकुलम, कोचिन-11, दिनांक 4-2-1975

निर्देश सं० एल० सी० 26/74-75—यतः मुखे, टी० बी०
स्वामिनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम 'कहा गया है')

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 206 और 216 है तथा जो वेणाइस रोड के पूर्व,
एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन
तारीख 1-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिणी (अन्तरिनियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में यमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० टी० ब्राह्मणी, वाषयिल हाऊस, मार्केट रोड,
एरणाकुलम, और डा० जोसफ तोप्पिल, तोप्पिल

हाऊस, सेंट अगस्टीन्स रोड, एरणाकुलम (अन्तरक)

(2) श्री के० पी० जोणी, मेसर्स के० सी० पप्पु एन्ड सन्ज,
कलीत्त बाजार रोड, एरणाकुलम (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एरणाकुलम, वेणाइस रोड के पूर्व में, सं० सं० 206 और 216
के अन्तर्गत 23.858 सन्टस् भूमि तथा मकान ।

टी० बी० स्वामिनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिन

तारीख 4-2-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए एस आर/ जालन्धर/एपी-1471/74-75

यतः मुझे बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है,) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव संसारपुर में स्थित है (और इससे उपायद्व प्रमुखों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री हिम्मत सिंह सपुत्र प्रताप सिंह वासी संसारपुर तसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महिन्द्रा कौर पत्नी चरन सिंह सपुत्र नाथा सिंह मार्फत सुरिन्द्र सिंह सपुत्र भगत सिंह वासी संसारपुर तसील जालन्धर।

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-गद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2406 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एसआर/ जन० /एपी-1472/74-75—
यतः, मुझे श्री० आर० सागर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव संसारपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन
1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त को धारा 269-घ की धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री हिम्मत सिंह मपल प्रताप सिंह गांव संसारपुर
तसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री चरन सिंह सपुत्र नरथा सिंह, महिन्द्र कौर पत्नी
चरन सिंह मार्फत सुरिन्द्र सिंह सपुत्र भगत सिंह, गांव संसारपुर
तसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा की नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 2506 जून 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

श्री० आर० सागर

तारीख : 31 जनवरी 1975

मोहर

सक्षम प्राधिकारी

सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एसआर/ जुल० /एपी-1473/74-75—
यतः, मुझे, बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव संसारपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण
में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हिम्मत सिंह सपुत्र प्रताप सिंह वासी संसारपुर
तसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री चरन सिंह सपुत्र नत्था सिंह मार्फत सुरिन्द्र सिंह
सपुत्र भगत सिंह वासी संसारपुर, तसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2507 जून, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० आर० सागर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एसआर/एपी-1551/74-75--

यतः, मुझे, श्री० आर० सागर,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिगकी सं० लाट नं० 97 है तथा जो जोशी कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अर्धान्त, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-486 GI/74

1. श्री विहारी लाल सपुत्र गनपत राम, दयानन्द नगर
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चंचल कुमारी अग्रवाल पत्नी मनोहर लाल
तथा रविन्द्र कुमार सपुत्र मनोहर लाल, लकाह मण्डी बाजार
अमृतसर।

3. जैसा की नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त
सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जोशी कालोनी में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1179 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में है।

श्री० आर० सागर
तारीख : 31 जनवरी 1975
सक्षम अधिकारी
मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

पक्षा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश न० ए०एस०आर/ जु०/एपी-1552/74-75—

यतः, मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि हे स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो कोट बहादुर खाँ ब्राडथ रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के कर्तव्य के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठीकाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मूल चन्द लाल चन्द सपुत्र गुलजारी लाल 99/ डब्ल्यू० सी० ब्राडथ रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मंगन राम सपुत्र तारा चन्द डब्ल्यू० सी० 90 मौहला कोट बहादुर खाँ, नजदीक ब्राडथ रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

*3 जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

*4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3034 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० आर० सगर

तारीख : 31 जनवरी 1975

मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

सक्षम अधिकारी,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश न० ए०एस०आर/एन० शहर/एपी-1553/74-75—
यन, मुझे वी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है,
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० भूमि है तथा जो बरनाला कला, नवाशहर
चण्डीगढ़ रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा, 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित ध्वक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मेहर सिंह सपुत्र दशाधीन शर्मा जन्म 1911 ई.
गढ़शकर जनरल अटानी भगत राम, मुखिया सिंह व गीत
सिंह भाई।

(अर्जन)

2 श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी रणधीर दास सपुत्र शिवान चन्द
पुन वामी या सूनी तसील गढ़शकर।

(अन्तरिता)

3 जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके सम्पत्ति में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीनस्थानता
जानता है कि वह सम्पत्ति में रुचि रखता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थानकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1177 जून
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गणना में है।

(1) आर० सगर,

तारीख : 31 जनवरी 1975

सही जायगी,

मोहर.

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

शमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एएसआर/नकोदर/एपी-1554/74-75—
यत. मुझे वी० आर० भगार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो, नूरमहल रोड़, नकोदर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दलबीर कौर पत्नी करनैल सिंह उर्फ जरंगल सिंह तथा श्रीमती तरसेम कौर पत्नी महिन्द्र सिंह बानी चक मंगलानी (शंकर रोड़ पर) तसील नकोदर।

(अन्तरक)

2. श्री युधिष्ठिर कुमार सपुत्र कुज लाल सपुत्र गज्ज मल उषा रानी सपुत्री कुचे लाथ, अणनी कुमार सपुत्र डा० रामलाल सपुत्र सुंदर दास मार्फत डा० सूरज प्रवाण गल्लर खुलर हस्पताल, सिविल हस्पताल रोड़, नकोदर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा की न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में भाग रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 565 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में है।

वी० आर० भगार

तारीख : 31 जनवरी 1975

मोहर :

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, प्रमत्तम

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जालन्धर एपी-175(71-75)---
यत, मुझे बी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो हाजियारपुर रोड जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्सा वसूली या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्येयों अर्थात्:—

1 मैंसे इण्डियन लेमिनेटर हाजियारपुर रोड जालन्धर द्वारा मरूप सिंह, दीवान सिंह, जगतजीत सिंह तथा इकबाल सिंह मार्फत भान सिंह अल्पमिनियम फैंटरी हाजियारपुर रोड जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री राम महाग मपुत किशनचन्द मपुत दुलोमल बासो ई० एन० 197 कावोवनी मुहल्ला जालन्धर या मार्पन हरी ग्रोम सोप फैंटरी, मन्डी फैंटन गज, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति या सम्पत्ति में रचित रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके द्वारा में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3479 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० आर० सागर

तारीख 31 जनवरी 1975

सक्षम प्राधिकारी

मोहर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जालन्धर/एपी-1557/74-75--

यतः, मुझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो होशियारपुर रोड़ जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स इंडियन लेमीनेटर होशियारपुर रोड़ जालन्धर द्वारा सरूप सिंह, वीवान सिंह, चरनजीत सिंह, इकबालदल सिंह, मार्कट भान सिंह अनूयन फेक्टरी, होशियारपुर रोड़ जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री किशोरी लाल सपुत्र किशन चंद पुत्र दुल्लोमल मार्फत हरी ओम सोप फेक्टरी मण्डी फेन्टनगंज, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3480 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

वी० आर० सागर

तारीख : 31 जनवरी 1975

मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एएसआर/जालंधर/एपी-1558/74-75---

यतः, मुझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है,) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो होशियारपुर रोड जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, के निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पदम नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैसर्स इंडियन लेमीनेटर होशियारपुर रोड जालंधर द्वारा सरूप सिंह, दीवान सिंह, चरनजीत सिंह तथा इकबाल सिंह मार्फत भाल सिंह अनूतियम फैक्टरी, होशियारपुर रोड, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेमनाथ मण्डल किशोरी लाल मार्फत मैमर्स हरी ग्रोम सोप फैक्टरी, मंडी फैन्ट गंज, जालंधर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3481, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में है।

वी० आर० सागर,
मक्षम अधिकारी,
मोहर: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एएसआर/जालन्धर/एपी-1559/74-75—

यतः, मुझे वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो होशियारपुर रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से बर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स इंडियन लेमीनेटर होशियारपुर रोड जालन्धर द्वारा मरूप सिंह, दीवान सिंह चरनजीत सिंह तथा इकबाल सिंह माफत भान सिंह अवनियम फैक्टरी होशियारपुर रोड जालन्धर। (अन्तरक)

2 श्री पवन कुमार मण्डल किशोरी लाल मण्डल किशन चन्द मारफत हरी योग मोट फैक्टरी मंडी फैक्टरी गज जालन्धर। (अन्तरिती)

3 जैसा की न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रक्षित रहता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख न० 3600 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

वी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,
मोहर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुल०/ए०पी०-1560/74-75—
यतः, मुझे बी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
यह उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जो होशियारपुर रोड जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:
7-486GI/74

1. मैसर्स इंडियन लेमीनेटर होशियारपुर रोड, जालन्धर
द्वारा सरूप सिंह, दीवान सिंह, खरनजीत सिंह तथा इकबाल
सिंह मार्फत भान सिंह अलूनियम फैक्टरी होशियारपुर रोड,
जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री मधु सूदन (छोटा) द्वारा राम सहार मार्फत
मैसर्स हरी ओम सोप फैक्टरी, मण्डी फैन्टन गंज, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3601, जन
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० आर० सागर,
तारीख : 31 जनवरी 1975
सक्षम अधिकारी
मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए०पी०-1561/74-75—
अतः मुझे बी० आर० सागर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० भूमि जो होशियारपुर रोड जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने में सुविधा के लिये ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुकरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स इंडियन लेमीनेट होशियारपुर रोड, जालन्धर
द्वारा सरूप सिंह, दीवान सिंह, चरनजीत सिंह तथा
इकबाल सिंह मार्फत भान सिंह, अलूनियम फैक्टरी,
होशियारपुर रोड, जालन्धर ।

2. श्रीमती संतोषी रानी पत्नी राम सहाय मार्फत
मैसर्स हरी ओम सोप फैक्टरी, मण्डी फैन्टन गंज,
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3602, जून, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है ।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निर्देश सं० ए० एस०आर०/जाल०/ए०पी-1562/74-45—

यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है जो खुरला किंगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. कुमारी चिन्ती सुपुत्री हुस्म सिंह सपुत्र दयाल सिंह वासी
खुरला किंगरा तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री सत्य पाल लुधरा, अमर नाथ लुधरा सपुत्र रामधन सपुत्र शामला राम वासी खुरला किंगरा तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3648 जून 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है ।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश न० ए० एस० आर०/ए०पी० 1563/74-75—अतः

मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
ईसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है')
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 119/बी-1 टू 124/बी-1 है तथा कटड़ा मित
सिंह बाजार हंसली, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरनाम सिंह, सपुत्र सूबा सिंह, करतार सिंह, सपुत्र
सूबा सिंह, हरदयाल सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह
गुरचरन सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह, बलवन्त
कौर पत्नी शाम सिंह, मनमोहन कौर विधवा कृपाल सिंह
सपुत्र शाम सिंह, अजन्ता बिल्डिंग, प्लैट न०-22
थर्ड फ्लोर, बम्बई-52.

(अन्तरक)

2. श्री नारायण सिंह खुराना सपुत्र बिशन सिंह तथा सन्तोख
सिंह खुराना तथा कुलवंत सिंह खुराना सपुत्र नारायण
सिंह खुराना, कटड़ा मित सिंह, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में है तथा किरायेदार ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि
रखता है ।

वह व्यक्ति जिसके बारे में

हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1204 जून
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर ।

दिनांक : 12-12-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०एल०/ए०पी० 1564/74-75—

यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 119/बी-1 टू 124/बी-1 है तथा जो करदाता मित
सिंह, बाजार हंसली, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त
अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हरनाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह, करतार सिंह सपुत्र सूबा सिंह
हरदयाल सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह गुरुचरण
सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह, बलवंत कौर

पत्नी शाम सिंह, मनमोहन कौर विधवा कृपाल सिंह
सपुत्र शाम सिंह, अर्जता बिल्डिंग, प्लेट न० 22
थर्ड फ्लोर, बम्बई-52

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कौर सपुत्री गुरुबक्श सिंह पत्नी कुलवंत सिंह
शानकौर पत्नी नारायण सिंह सपुत्री हरनाम सिंह/
कृपाल कौर सपुत्री सूबा सिंह पत्नी सन्तोख सिंह
मार्फत : नारायण सिंह खुराना, करदामित सिंह,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1203 जून, 1974
की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० एस०आर०/ए०पी०-1565/74-75--यतः
मुझे बी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है जो माल रोड, बटाला रोड, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णात्:—

1. श्रीमती लखवीर साहनी पत्नी सतवधत सिंह साहनी,
वम्बई, अब 39 लारैस रोड, अमृतसर तथा सोहन सिंह
सुपुल जवाहर सिंह बाजार करमो डियोडी, अब 39 लारैस
रोड, अमृतसर।

2. श्री हरमजन सिंह बुटर सुपुल संता सिंह बुटर, चौक राम बाग,
मार्फत मैसर्स टिपटाप ड्राईक्लीनर्स, चौक राम बाग,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1089 जून, 1974
की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस० आर०/जुल०/ए०पी०-1566/74-75—

यतः मुझे, श्री० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है, तथा जो बस्ती गंजा, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बूद सिंह, धर्म सिंह पुत्र श्री पोहा सिंह
मार्फत : पोला सिंह पुत्र सोभा सिंह,
बस्ती गंजा, हाउस नं० डब्ल्यू जे-42, जालंधर, शहर।

(अन्तरक)

2. सत्यापाल, राज पाल, जोगिन्द्र पाल, विजय पाल
शशीपाल, पुत्र श्री अमर नाथ पुत्र संत राम,
418-ए, आदर्श नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और गणों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3596 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में है।

श्री० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जुल०/ए०पी०-1567/74-75—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं धरती जो सिविल लाईन्स जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री योगराज शाह पुत्र धन राज शाह,
वासी, ई० एच० 172, सिविल लाईन्स, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती चितकौर पत्नी काबल सिंह
वासी, रायपुर, रसूलपुर, त. जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3582 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1974

निदेश सं० ए०एस०भार०/जाल०/ए०पी०-1568/74-75—

यतः मुझे, बी० भार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो सिविल लाइन्स, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

10—486GI/74

1. श्री योगराज शाह पुत्र धनराज शाह
वासी, ई० एच० 172, सिविल लाईन्स, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान सिंह पुत्र काबुल सिंह वासी रामपुर, रसूलपुर,
त० जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जा ता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में द्वापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3584, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० भार० सगर,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० एस० भार०/जुल०/ए०पी०-1569/74-75—
यतः मुझे, बी० भार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है, तथा जो सिविल लाईन्स, जालन्धर में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री योगराज शाह पुत्र धन राज शाह वासी ई० एस० 172, सिविल लाईन्स, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री भीम सैन, पुत्र पूर्ण चन्द
वासी सिविल लाईन्स, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3585, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० भार० सगर,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1570/74-75—
यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो सिविल लाईन्स, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बन्नी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुकरण से, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री योगराज शाह पुत्र धन राज शाह
बासी ई० एच० 172, सिविल लाईन्स, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. कुमारी भान्ता, शशी, पुत्री जी० डी० उपल,
बासी सिविल लाईन्स, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी अपेक्षा, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्येय 1 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्येय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3586, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1571/74-75—

यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो पठानकोट रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः—

1. श्री लछमन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह पुत्र करमा
वासी गांव रेहू, सहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला वन्ती परनी मंगल सिंह लडा राम वासी
डब्ल्यू बी-7, बाजार शेरवा, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3692, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1572/74-75—

यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस में इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० धरती है तथा जो पठानकोट रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लछमन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, पुत्र करमा
निवासी गांव रेहू, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला बन्ती पत्नी मंगल सिंह पुत्र लडा राम
वामी डब्यू, बी 70, काजार गेरवा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई आशय, —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

बुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3473, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निर्देश सं० ए एन आर०/जुन०/एपी-1573/74-75— यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 425 है तथा जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिकारी के सामान्य जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लुमाया सुनुज स्व० परमानन्द
किला मोहल्ला, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह सुपुत्र करम सिंह गांव अट्टा.
डाकखाना गोराया, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3097, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए एस आर/ जाल०/ए पी०-1574/74-75—
यह: मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त
अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 3 दुकाने गोदाम तथा भूमि है, तथा जो बस्ती नाऊ,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून,
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त की अधिनियम धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. परबोत्तम लाल सुपुत्र मेहर चन्द
प्रीजिडेंट म्यूनिस्पाल कमिटी,
बंगा तहसील, नवागढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल, प्रेमनाथ, कुंज चन्द, परबोत्तम लाल,
जसवंत राय सुपुत्र माधी राम सुपुत्र अमीर चन्द
बासी बंगा, तहसील, नवागढ़।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2733, जून, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975।

बोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1575/74-75—
यतः मुझे बी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परिचायक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती है, तथा जो माडल टाउन, जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) रघवीर सिंह पुत्र नत्था सिंह, जालन्धर।

(2) श्री कुलवीर सिंह मोहरी पुत्र नत्था सिंह पुत्र
अरुड़ सिंह, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दीदार सिंह पुत्र मूल सिंह और स्वर्णकोर परमी दीदार सिंह
वासी सलीमपुर मसांदा, त० जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3650, जून, 1974
की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सब्जी मन्डी, देहली, श्री लक्ष्मी देवी विधवा, रक्षा देवी,
प्रभावती पुत्रियां श्री रेखव दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1576/74-75—
यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो न्यू ग्रेन मार्किट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मोहिन्दर पाल उर्फ जनिन्दर पाल जैन पुत्र रेखव दास
पुत्र लाम्पुराम 19-डी, या 19-एस, किदार बिर्लिंग,

(अन्तरक)
2. (1) कैलाशवती पुत्री दीवान चन्द पुत्र चिरंजी राम,
मंडी फैसन गंज, जालन्धर ।

(2) अशोक कुमार पुत्र मोहन लाल, मोहन लाल पुत्र
कुंदनलाल, मंडी फैसन गंज, जालन्धर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत घिलेख नं० 3212 जून, 1974 और 5955, सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1577/74-75---यत
मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 18 है, तथा जो आर० बी० दुनीचन्द रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 श्री मोहनलाल सपुत्र कुन्दलाल 104/1, के० पाल एवेन्यू,
कल्याण, अटार्नी ताग चन्द 76 कैनेडी रवेन्यू, अमृतसर ।
(अन्तरक)

2 श्री मानक चन्द खन्ना सपुत्र सीताराम
प्लॉट नं० 32-33, यूनाईन ग्रीन पार्क, खार, बम्बई-52 ।
(अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1097 जून,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 जनवरी 1975
मोहर

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/फग०/ए०पी०-1578/74-75—
यतः, मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० धरती है, तथा जो फगवाड़ा, में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री तरसेम लाल उर्फ तरसेम मिह पुत्र गज्जू राम सैनी,
निगाहा मोहल्ला, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्णकौर पत्नी कुमन सिंह
वासी मोहल्ला कल्पना, होशियारपुर रोड, फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्रति आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 17 जून, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1579/74-75—यतः, मुझे, वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 858 है तथा जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लै० कर्नल मनमोहन सिंह सपुत्र नारायण सिंह, 1018, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री तिलकराज सपुत्र मुखरराज, नरघट मिर्जा तथा राजकुमार सपुत्र कुलख राज, कोर्ट रोड, सहारनपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1212 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

भर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1580/74-75—यतः,
मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 858 है तथा जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ले० कर्नल मनमोहन सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह,
1018, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. कुमारी राजिन्द्रवती सपुत्री भगवान दास तथा राजिन्द्रपाल सपुत्र मुखरराज, चौक चितपुरनी, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1211 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1581/74-75—

यतः, मुझे, श्री० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती बाई विधवा राम लाल सुपुत्र राम चन्द डब्ल्यू. एफ. 145, अली मोहल्ला, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. अमृत को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, लि० एन. एम. 594, गोपाल नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जै कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शुरू कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3654 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

श्री० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1582/74-75—

यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्णलाल सुपुत्र रामलाल
डब्ल्यू. एफ. 145, अली मोहल्ला, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. अमृत को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, लि०
एन. एम. 594, गोपाल नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3655 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1583/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामप्रकाश सुपुत्र रामलाल ,
डब्ल्यू०एफ० 145, अली मोहल्ला, जालन्धर । (अन्तरक)
2. अमृत को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि०
एन० एम० 594, गोपाल नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3656 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है ।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1587/74-75—यतः,

मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 155 की धारा 269ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 31 है, तथा जो दयानन्दनगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजकुमार, रोशनलाल, सुपुत्र जय गोपाल, सत्यावती पत्नि जय गोपाल, जोगिन्द्र पाल सुपुत्र जय गोपाल लारैस रोड, अमृतसर द्वारा श्री तिलक राज अटार्नी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मानवती पत्नी किशोर चन्द, नीरू मेहरा पत्नी कालीचरन, कालीचरन सुपुत्र किशोर चन्द, किशोर चन्द सुपुत्र राम प्रताप, दयानन्दनगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं । उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी नं० 31, दयानन्दनगर अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1046, 1047, 1048 तथा 1049 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/अज०/ए०पी-1589/74-75--
यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तलवंडी, नाहर में स्थित है और इससे उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने सुविधा में के लिए और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा सिंह, दाग सिंह सुपुत्र अर्जन सिंह, केसो देवी सुपुत्री अर्जन सिंह गांव तलवंडी, नाहर, तहसील अजनाला।
(अन्तरक)

2. श्री कुलवन्त सिंह, सुपुत्र शिगारा सिंह, जोगिन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह, तारा सिंह सुपुत्र सौदागर सिंह, गांव तलवंडी, नाहर, तहसील अजनाला।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 1349 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अजनाला में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निवेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1591/74-75—यतः

मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० कोठी न० 36 है तथा जो मकबूल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरदारी लाल सुपुत्र दीवान चन्द कलकता-7

द्वारा श्री जगदीश प्रसाद सुपुत्र हीरालाल,
14 माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बृज मोहन सुपुत्र नारायण दास,

मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 36 रोड, एवेन्यू मकबूल रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 918, जून 1974 में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी-1592/74-75—यतः
मुझे, वी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कोठी नं० 3 है तथा जो हुकम सिंह रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का, 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, धारा उक्त अधिनियम 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरजीत सिंह संधू सुपुत्र गुरदयाल सिंह सन्धू,
गांव चप्पा राम सिंह, जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री चतरभुज गुप्ता, सुपुत्र हीरालाल गुप्ता, लछमन सर,
छन गली, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1051 जून, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश नं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1593/74-75—यतः मुझे, वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है' की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रु० से अधिक है और जिसकी सं० 230/13-3 है तथा जो कूपर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती स्नेह प्रभा विधवा, रोशनलाल एस० एच०, अशोक कुमार, रवि कुमार, सुपुत्र रोशनलाल, रोमा पुत्री रोशनलाल, बासी अजेरदर्शन नेपियन-सी रोड, बम्बई-21 द्वारा कुन्दनलाल कूपर रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार सुपुत्र कुन्दनलाल, कबीनज रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा श्री हंसराजपुरी (किरायेदार) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1000 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/फग०/ए०पी०-1594/74-75—

यतः मुझ बी० आर० सगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिस और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्दर सिंह, जसविन्दर सिंह पुत्र मेहरसिंह, सुरजीत कौर आदि, बासी गौराया । (अन्तरक)

2. श्रीमती पदमावती पानी श्री मदन लाल, मार्फत पुनमवार एण्ड रैस्टोरेन्ट, जी० टी० रोड, फगवाड़ा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 482 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी, 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/फग०/ए०पी०-1595/74-75—

यतः, मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री जोगिन्दर सिंह जी० ए० आर० आनकौरपुत्री मोहनसिंह गुरदशन पुत्र अमर सिंह जी० ए० आर० सखनकौर, पवित्रकौर,

राजिन्दर कौर, नरिन्दर कौर, पुत्रियां मोहन सिंह, सतनामपुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा (अन्तरक)

2. उजागर सिंह पुत्र जगीर सिंह,
बाम्बी फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संप्रभु में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 773 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिख है ।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975
मोहर

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/फग०/ए०पी०-1596/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्दर सिंह जी० ए० आफ ज्ञान कौर पुत्री श्री मोहन सिंह, गुदगर्न सिंह पुत्र अमर सिंह जी० ए० सरखनकौर पविल कौर, राजिन्दर कौर, नरिन्दर कौर, पुत्रियां मोहन सिंह सतनामपुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री शिवचरण सिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र भगवान सिंह बासी गीराया, और निर्मल सिंह पुत्र राजसिंह बासी जालन्धर कौट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हंचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 721 जन, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एम०आर०/फग०/ए०पी०-1597/74-75—
यतः, मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जोगिन्दरसिंह जी० ए० ज्ञान कौर पुत्री श्री मोहन सिंह,
गुरदर्शन सिंह पुत्र अमर सिंह जी० ए० आफ सरवन कौर,

पबित्रकौर, राजिन्दर कौर, नरिन्दर कौर पुत्रियां मोहनसिंह,
सतनामपुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. जसविन्दर सिंह पुत्र लम्बर सिंह, बलविन्दर कौर पुत्री
लम्बर सिंह वासी कुकर पिंड, गुग्दीप सिंह पुत्र ऊधम सिंह,
वामी जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिशोध में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 624 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आन०/फग०/ए०पी०-1598/74-75—

यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठीकाने में सुविधा के लिए।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह जी० ऐ० ज्ञानकौर, पुत्री श्री मोहन सिंह, गुरदर्शन सिंह पुत्र भ्रमर सिंह जी, ऐ० स्वर्णकौर, पवित्रकौर राजिन्दर कौर, नरिन्दर कौर पुत्र मोहनसिंह, सतनाम पुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सर्जीतकौर या सुरजीत कौर पत्नी तारा चन्द, गांव सरहाला मंडरा, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 63 9, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

[निर्देश न० ए० एस० आर/ एपी-1599/74-75—यतः
मुझे वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो कटडा मोहर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शांति लाल चड्ढा सपुत्र गणेश दास चड्ढा बिल्डिंग, सिते रोड़ (डा० अम्बेदकर मार्ग) बम्बई-19 द्वारा

कृष्ण लाल (खुद तथा जनरल अटार्नी) सपुत्र गणेश दास चड्ढा, चड्ढा बिल्डिंग, सिते रोड़ (डा० अम्बेदकर मार्ग) बम्बई-19 (अन्तरक)

2. श्रीमती राजरानी पत्नी खुशाल चन्द आनन्द, कटडा भाई सत सिंह अमृतसर शकुन्तला रानी पत्नी प्रेम नाथ आनन्द, गली गण्डा वाली नमक मण्डी अमृतसर, उमिला रानी पत्नी जगदीश लाल आनन्द बेरी गेट, अमृतसर मनोरमा रानी पत्नी अबनाशी लाल आनन्द कूचा बेरी वाला, कटडा मित सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. श्री सतपाल, लभूराम, सतपाल, मनोहरलाल राजपाल, जगदीश चन्द, लीला राम, उत्तम चन्द (सभी किराएदार) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1167, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/एपी-1600/74-75 ---अतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1 कोठी न० 168, 169, 186 है तथा जो अजीत नगर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री गुलजार सिंह सपुत्र सौदागर सिंह, गली नं० 1 कोट हरनाम दास, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्रीमती जसबीर कौर पत्नी प्रीतम सिंह टाईगर 169 अजीत नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवृतियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 168-169-186 अजीतनगर, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1127 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31-1-75
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/जेयूएल/एपी-1601/74-75—

यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी न० 296-एल है तथा जो माडल टाउन, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मेजर परमजीत सिंह पुत्र हरवीप सिंह पुत्र हरनाम सिंह 413-माडल टाउन, जालंधर (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी धवन पुत्र श्री भीम सैन धवन पुत्र श्री भारत राम वासी गांव सादिक अब 296 एल माडल टाउन, जालंधर। (अन्तरिति)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 296-एल माडल टाउन जालंधर जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3501 जून 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश न० ए०एस०आर/जि०एल/एपी-1602/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आधी कोठी 454-एल है तथा जो माडल टाउन,
जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निधा कौर पत्नी जमीयत सिंह पुत्र श्री अमर
सिंह, घडियाला त० जालंधर अत्र 329 न्यू जवाहर
नगर, जालंधर (अन्तरक)

2. श्री मती गुरचरण कौर पत्नी करतार सिंह पुत्र मोक्षल
सिंह, 454-एल माडल टाउन, जालंधर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोह-
स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं । उक्त सम्पत्ति के संबंध में
कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधी कोठी न० 454-एल माडल टाउन, जालंधर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3484 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निर्देश न० ए०एस०आर०/जेयूएल/एपी-1603/74-75—यतः
मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो माडल टाऊन, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(1) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोहिंदर सिंह पुत्र जगत सिंह वासी मकान न० 373, गली न० 8 मैट्रल टाऊन, जालंधर जी० ए० लक्ष्मन सिंह पुत्र मोता सिंह गांव दोमाना कला त० जिला होशियारपुर।
(अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह, हरवंस सिंह पुत्र इन्दर सिंह प्लाट न० 2 नजदीक गोपाल आयाल भिल्स, मिठापुर नकोदर रोड नजदीक माडल टाऊन, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2522 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

(वी० आर० सगर)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अमृतसर

तारीख : : 31-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1604/74-75—

यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आधी कोठी 454एल है, तथा जो माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निधांकीर पत्नी जमीयत सिंह पुत्र अमर सिंह घड़ियाला, अथ 329 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री रघुवीर सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र गोपाल सिंह 454-एल, माडल टाउन, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधी कोठी न० 454-एल, माडल टाउन, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3715, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1605/74-75—दत्त
मुक्त वी० आर० नगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
श्री जितकी सं० मकान नं० 2080/12 है, तथा जो बटका शेर्चिह
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बांटा है) रजिस्ट्रीज्ती अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
अध्याय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—486GI/74

1. श्री लालचन्द खन्ना सुपुत्र राज बहाल 415 फाल्गु रोड,
सुधिमाला खुद तथा बरते जस्टिस हरराज खन्ना,
देवरज खन्ना, श्रीमती लीलावती मेहरा, भागवती
उर्फ, कमलावती पुर, श्रीमती शांति पुर, श्रीमती संतोष
बेरी, राज महता तथा श्रीमती गोमती उर्फ फिरोज
लुक्मी पुर, 2080/12, बटका शेर्चिह, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मोहनलाल, सापाल सुपुत्र रेणू राम,
मकान नं० 2080/12, बटका शेर्चिह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैता कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, सही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैता कि रजिस्ट्रीज्ती विलेज नं० 908, जून, 1974
को रजिस्ट्रीज्ती अधिकारी के अमृतसर में है।

वी० आर० नगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहुरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब () के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भ्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०आर० नकोदर/ए०पी०-1606/74-75—

यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दण्डपूर्वक सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से दक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे गश्ने में सुविधा के लिए बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इकूमत राय पुत्र धिरत राम पुत्र उत्तमचन्द

बासी नकोदर।

(अन्तरक)

2. श्री कशमीरा सिंह, हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, मोहल्ला शेर पुरा, नकोदर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत धिलेख नं० 843 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भ्रमृतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1975

निदेश सं० अ० ई० 1/856-3/जून 1974—अतः
मुझे आर० जी० नेहरूकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 779 माहिम डिबीजन है, जो तुलसी पाईप रोड और मोगल लेन स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्टार, बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-6-1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री व्यंकटराम सुब्रमण्यम उर्फ व्ही एस० मनी
(अन्तरक)
2. श्री शंकर विष्णु जाधव और अन्य
(अन्तरिती)
3. इंडियन आइल कारपोरेशन लि०
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. इंडियन आइल कारपोरेशन लि० और नैशनल स्टोरज लि०
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रथम अनुसूची

वे सभी टुकड़े या जमीन का भाग जो माप में 782.00 वर्गगज या 653.85 वर्गमीटर और जिस का प्लॉट नं० 424 (अंश) है ।

द्वितीय अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसके साथ उस पर बना इमला ब्लाक 'एन' और माप में 501 वर्गगज या 418.86 वर्गमीटर और जिसका प्लॉट नं० 424 (अंश) है ।

प्रथम और द्वितीय अनुसूची में जिस जमीन के दोनों टुकड़े साथ में माप में 1283 वर्गगज या 1027.71 वर्गमीटर और जिसका प्लॉट नं० 424 (अंश) और जो एक बहुत बड़े जमीन के टुकड़े जिसका सी० एस० नं० 7799 माहिम डिबीजन है, का एक भाग बनाता है, तुलसी पाइप रोड और मोगल रोड, अपर माहिम रजिस्ट्रेशन जिला और उप जिला- बम्बई में स्थित है, और पूर्व की ओर से तुलसी पाइप रोड द्वारा दक्षिण की ओर से लेजर्स प्लॉट नं० 424 की जायदाद द्वारा पश्चिम की ओर से अंशतः लैजर्स के प्लॉट नं० 424 और अंशतः प्लॉट नं० 425-ए, टी० पी० एस० नं० 111, माहिम, जोकि श्रीमती अनुसयाबाई जे० राउत से संबंधित है, द्वारा और उत्तर की ओर से अंशतः प्लॉट जिसका सी० एम० नं० 780 है और 781 टी० पी० एस० नं० 111 माहिम, जोकि मैसर्स ओपिल सेबोरेटरीज लि० का है, और जिस भूमि के टुकड़े प्लान पर रेखांकित हैं, द्वारा घिरा हुआ है ।

आर० जी० नेहरूकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आय कर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज कलकत्ता

दिनांक 3-2-1975

निदेश सं० ए० सि०-158/आर-IV/कल०/74-75—

धतः मुझे, एस० भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिसके सं० 4 सि और 3/1 है तथा जो बलराम घोष स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काय के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत वित्तों के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण घरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीपेन्द्र नाथ नियोगी
(अन्तरक)

2. श्री बलाई सुर और गौर सुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकपरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4सि और 3/1 बलराम घोष स्ट्रीट, कलकत्ता के, विभाजित दक्षिण दिक् 6 कट्टा 2 छटोंक 17 स्की० फिट खालि जमीन ।

एस० भट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता
54, रफीग्रहमद फिदवाई रोड,
कलकत्ता-26.

तारीख: 3-2-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1975

सं० धार० ए० सी० 95/74-75—अतः मुझे के०
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग नया पूल है जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
नियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुविधा के लिए।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों अर्थात:

1. श्री सैय्यद अब्दुल हमीद, 6-2-977, खैरताबाद,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनवरी बेगम, 10-2-347/बी, आसीफनगर,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—2/25th हिस्सा, नं० 22-8-298 का भाग, स्टेट
टाकीज, नयापूल के नजदीक, हैदराबाद। क्षेत्रफल : 7855.6
वर्ग मीटर्स।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7-2-1975

सं० आर० ए० सी० 99/74-75—यतः, मुझे, के० एस० बेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग है, जो नयापूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

1. श्री अब्दुल हमीद, "गुलिस्तान" खैरताबाद, हैदराबाद

2. कुमारी शाहीन बेगम, 10-2-347/B (अन्तरक)
आसिफनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—22-8-298 का भाग, स्टेट टाकीज, नयापूल के नजीक, हैदराबाद (2/25 का हिस्सा)।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-75।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक: 7-2-1975

सं० आर० ए० सी० 96/74-75—अतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 22-8-298 का भाग है जो नयापूल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
17-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
लपट पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुविधा के लिए;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उक्त (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सय्यद अब्दुल हामीद, 6-2-977, खैरताबाद
हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती शाहनवाज बेगम, 10-2-347/ B,
आसीफनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप
हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—2/25 वॉ हिस्सा 22-8-298 का भाग, नयापूल
के नजीक हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-75
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 97/74-75—

यतः, मुझे, के० एस० बेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 22-8-298 का भाग है जो नयापूल में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19 जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बेचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

यतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माः—

1. श्रीमती अमातुल करीम, 10-1-123/बी; मोमब
टयांक हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती अनवरी बेगम, 10-2-347/बी, आसीफ नगर
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रति आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—22-8-298 का भाग, स्टेट टोकीज नयापूल के
नजीक, हैदराबाद (1/25) को हिस्सेदार ।

के० एस० बेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-1975 ।

मोहर :

प्रमाण सं० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक जनवरी, 1975

निदेश न० प्र० ह०-5/109/14/7475—प्र०, मु०, जे० ए० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलाक़ा इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो गांव नाहुर, मुलुंड में स्थित है

(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों अन्तरीप्ति के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—486GI/74

1. मिनर्वा डीलर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी सराफ

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक भाग बनाता है, गांव नाहुर, मुलुंड के पास बृहत्तर, बम्बई में स्थित और मौजूद है जिन पर साथ में एक इमारत बनायी गयी है जो माप में 1 020 वर्ग फीट या आसपास है। संलग्न प्लान में काली और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है, जिसकी जमीनें बंशपरम्परागत हैं और जिन्हें रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है, और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन पर बिना बनायी पट्टी द्वारा पश्चिम की ओर से उक्त इमारत के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्ग फीट है द्वारा और पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन की एक अनिर्मित पट्टी द्वारा।

जे० ए० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 1-75

अर्जन रेंज, 5 बम्बई।

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi 110011, the 31st August 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of three months from 3-7-1974 to 2-10-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary,
(In-charge of Administration)

New Delhi-110011, the 10th January 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 25-11-74 to 10-1-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 7th February 1975

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. F. 5/44/74-CS(I) dated 28-12-74 the President is pleased to appoint Shri B. N. Arora, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission (at present on deputation to the ex-cadre post of Section Officer (Special) in the office of U.P.S.C.) to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 28-12-74, until further orders.

2. Shri B. N. Arora will, however, continue to hold until further orders the ex-cadre post of S.O. (special) in the office of Union Public Service Commission in accordance with the U.P.S.C. Notification No. A. 11013/2/74-Admn.II, dated 29-10-74.

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. F.5/44/74-CS(I), dated 28-12-74 and in partial modification of this office Notification No. A.32014/1/74-Admn.III, dated 30-3-74, the President is pleased to appoint Shri R. P. Tandon, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 28-12-74 until further orders.

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. F.5/44/74-CS(I), dated 28-12-74 and in partial modification of this office notification No. A. 32014/1/74-Admn.III, dated 15-1-75, the President is pleased to appoint Shri K. I. Suri, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from the 28-12-74, until further orders.

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. F.5/44/74-CS(I), dated 28-12-74 and in partial modification of this office Notification No. A.32014/1/74-Admn.III, dated 28-8-74, the President is pleased to appoint Shri N. R. Mehra, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 28-12-74 until further orders.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Kukrety, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 16 days w.e.f. 6-1-1975 to 21-1-1975 (both days inclusive).

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Kacker, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 48 days with effect from 30-12-1974 to 15-2-1975, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 63 days from 28-12-1974 to 28-2-1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade of the Service w.e.f. 28-12-74 to 25-1-75 (both days inclusive).

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 34 days from 23-12-74 to 25-1-75.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a further period of 29 days with effect from 19-12-74 to 16-1-75.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Vij, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a further period of 2 months with effect from 1-1-75 to 28-2-75 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary,
(In-charge of Administration)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 6th February 1975

No. O.II-101/71-Estt.—The President regrets to notify that Major K. A. Krishnan, Joint Assistant Director (Cryptography) in the Directorate General, Central Reserve Police Force expired on 24-1-75 (AN).

The 7th February 1975

No. O.II-904/73-Estt.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) Jyotsna Rani Swain relinquished charge of the post of JMO, 2nd Base Hospital, CRPF, Avadi for the forenoon of 27th January, 1975.

S. N. MATHUR
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL
New Delhi-110011, the 7th February 1975

No. 25/103/72-RG(Ad.I).—Shri N. Y. Gore, relinquished the charge of the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, GOA, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli with effect from the afternoon of 31st December 1974.

BADRI NATH
Deputy Registrar General,
ex-officio Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS
Nasik, the 31st January 1975

No. 3331/(A).—In continuation of Notification No. 1932/A. dated the 9th July, 1974 the *ad-hoc* appointment of Dr. (Mrs.) A. C. Awalgankar, M.B.B.S. as Junior Medical Officer is further extended upto 31st March, 1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

*No. 3332/(A).—In continuation of Notification No. 2334/(A), dated the 5th August, 1974, the *ad-hoc* appointment of Dr. V. S. Sahasrabudhe, M.B.B.S. as Junior Medical Officer is further extended upto 31-3-1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th February 1975

F. No. BNP/F/Spl/27.—The officiating appointment of Shri R. A. Misra, Section officer in the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs as Junior Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on *ad-hoc* basis with effect from 1-1-75 to 31-3-75 or till the post is filled on regular basis in accordance with recruitment rules, whichever is earlier.

R. RAMASWAMY
Officer on Special Duty

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER & AUDITOR GENERAL

New Delhi, the 6th February 1975

No. 4489-GEI/298-73.—On the results of the I.A.S. etc. examination 1973 the undermentioned I.A.S. Officers were selected for appointment to the I.A.S. and relieved from the Indian Audit & Accounts Department on the dates mentioned against each :—

Name, Designation/office and Date of relief

1. Shri V. Pakshi Raja—I.A.A.S. Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
2. Shri R. N. Berwa—I.A.A.S. Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
3. Shri Lambor Rynjah—I.A.A.S. Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
4. Shri Trilok Kumar Dewas—I.A.A.S. Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
5. Shri Venkateswaran Ramnath—Asstt. Accountant General (On Probn.) O/O the Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar.—13-7-74 (AN).

No. 6396-GEI/K-6/PF.—Shri A. A. Krishnan, I.A.A.S. has been permitted to retire from the service with effect from the 11th April 1974 under rule 56(b) of the Fundamental Rules.

No. 6803-GEI/C-8/PF.IV/.—On return from leave from 20th April, 1974 to 27th April 1974, with permission to suffix holiday on 28th April 1974, Shri P. C. Calla, I.A.A.S. took over as Chief Auditor, Central Railway, Bombay on 29th April, 1974 (FN).

No. 6877-GEI/A-31/PF.III.—The resignation of Shri A. B. Adarkar, I.A.A.S., from Government service has been accepted with effect from the afternoon of 28th September 1974.

No. 7372-GEI/147-74.—With effect from 1st December 1974, the Chandigarh branch office of the Accountant General, Rajasthan & Chandigarh (which was attached to Rajasthan office as per this office notification No. 3556-GEI/147-74,

dated 19th June 1974) has been transferred from the O/O the Accountant General, Rajasthan & Chandigarh to the O/O the Accountant General, Himachal Pradesh. Consequently, the Accountant General, Rajasthan & Chandigarh and the Accountant General, Himachal Pradesh have been redesignated as Accountant General, Rajasthan & Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh respectively.

No. 7599-GEI/T-8/PF.—Comptroller & Auditor General of India has been pleased to promote Shri B. S. Tyle, an officer in the Senior Scale of I.A.A.S., to officiate in the Junior Administrative Grade of the I.A.A.S. from 14th December 1973 to 8th March 1974, as a temporary measure, and without prejudice to the claims of his seniors.

No. 7848-GEI/B-15/PF.V.—On return from leave from 20th September 1974 to 6th November 1974 and after availing usual joining time, Shri K. S. Bhatnagar, I.A.A.S., took over as Chief Auditor, Railway Production Units, Calcutta on 18th November 1974. He relieved Shri S. C. Banerjee I.A.A.S., proceeding on leave.

No. 7849-GEI/R-13/PF.III.—On return from leave from 19th October 1974 to 29th October 1974 with permission to affix holidays on 18th & 30th October 1974, Shri K. S. Rangamurthi, I.A.A.S., took over as Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi on 31st October 1974 (FN). He relieved Shri G. B. Singh, I.A.A.S.

No. 7850-GEI/S-21/PF.IV.—On return from leave from 26th November 1974 to 28th November 1974 with the permission to suffix holiday on 29th November 1974, Shri S. Sethuraman, I.A.A.S., took over as Director, I.A.A.S. Staff College, Simla on 30th November 1974 (FN).

No. 7863-GEI/N-7/PF.—On return from leave from 17th October 1974 to 18th November 1974, Shri A. S. Nageswaran, I.A.A.S., took over as Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad on 19th November 1974. He relieved Shri A. G. Narayanaswami, I.A.A.S.

No. 7864-GEI/R-55/PF.—On return from leave from 2nd December 1974 to 13th December 1974 with permission to affix holidays on 1st, 14th & 15th December 1974, Shri R. K. A. Subrahmanya, I.A.A.S., took over as Accountant General, Orissa, Bhubaneswar on 16th December 1974.

No. 7726-GEI/R-11/PF.III.—Consequent upon his permanent absorption in the National Mineral Development Corporation Limited (a Central Government undertaking), in the public interest with effect from 29th January 1974, Shri C. S. Venugopala Rao is deemed to have retired from Government service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

No. 36-GEI/B-16/PF.IV.—On return from leave from 18th November 1974 to 15th December 1974, Shri S. C. Banerjee, I.A.A.S. took over as Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta with effect from 16th December 1974.

On return from leave from 28th October 1974 to 30th November 1974 Shri D. D. Jerath, I.A.A.S. took over as Accountant General (I), Uttar Pradesh, Allahabad on 30th November 1974 (AN). He relieved Shri R. N. Joshi, I.A.A.S.

M. P. GUPTA
Asst. Compt. & Auditor General (P)

OFFICE OF THE A.G.C.R., NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1975

No. Admn.I/5-5/Promotion/74/75/2701.—The Accountant General, Central Revenues has appointed Shri P. L. Wali permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time Scale of Rs. 840-1200 w.e.f. 22-1-1975 FN, until further orders.

H. S. DUGGAL

Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 6th February 1975

No. OFI-Audo-PF-5478.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Satya Ranjan Ganguly a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 30-12-74 (FN).

B. P. SINHA

Sr. Dy. Accountant General (Admn.) Bihar

MAHARASHTRA

Bombay-400020, the 6th February 1975

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/25.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from dates mentioned against each of them until further orders :—

Serial No., Name and Date

1. Shri M. D. Joshi—16-10-74 A.N.
2. Shri A. G. Kulkarni—1-11-74 F.N.
3. Shri S. A. Harnahalli—9-10-74 F.N.
4. Shri Y. D. Joshi—21-10-74 F.N.

5. Shri A. S. Narayanan—9-10-74 A.N.

6. Shri P. D. Deshpande—22-10-74 F.N.

7. Shri S. Parameshwaran—28-10-74 F.N.

8. Shri K. V. Nadkarni—22-10-74 F.N.

9. Shri V. D. Joshi—9-12-74 F.N.

10. Shri T. S. Kohli—30-12-74 F.N.

A. B. PALEKAR

Sr. Dy. Accountant General/Admn.I

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 11th February 1975

No. L/8/74/3231.—Shri Milan Kumar Giri, Section Officer (Audit), a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service, is promoted to officiate as Audit Officer/ Eastern Railway in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 3-1-1975 Forenoon until further orders.

N. G. SEN

Chief Auditor,
Eastern Railway

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 4th February 1975

No. 71019(6)/74-AN-II.—On the results of the combined competitive examination held by the Union Public Service Commission in 1973, the President is pleased to appoint Shri Guru Prasad Mohanty as Probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from 15-1-1975 (Forenoon).

No. 40011 (2)/74-AN-A:—The undermentioned Accounts officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	B. Dev Roy (P/127)	Permanent Accounts Officer	31.3.75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
2.	J. N. Vatsya, (P/613)	Permanent Accounts Officer	31.3.75 (AN)	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
3.	P. K. Barve, (N. Y. A.)	Officiating Accounts Officer	28.2.75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
4.	K. V. K. Nair (N. Y. A.)	Officiating Accounts Officer	30.4.75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras.

S. K. SUNDARAM,

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
Calcutta, the 5th February 1975

No. 7/75/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg Officer Supervisor with effect from the dates shown against them, until further orders :—

- (1) Shri Krishna Chandra Bhattacharya, Permt. Supdt.—10th Jan., 1975.
- (2) Shri Man Mohan Lal Nanda, Permt. Supdt.—10th Jan., 1975.

M. P. R. PILLAI
Asstt. Dir. General, Ordnance Factories

SHRAM MANTRALAYA SHRAM BUREAU
Simla, the 8th March 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 remained stationary at its December, 1974 level of 326 (Three hundred and twenty six). Converted to base : 1949=100, the index for the month of January, 1975 works out to 396 (Three hundred and ninety six).

K. K. BHATIA, Director.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay, the 30th January 1975

No. CER/1/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968, namely :—

In the said Notification, in paragraph 1, for the third proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

- “(in) Provided further that the maximum retail price of the aforesaid varieties of cloth packed after the 31st March, 1974, shall be 20% over the ex-factory price; or any price lower than this price, if prescribed by a State Government, in respect of cloth sold in that State.”

G. S. BHARAGAVA,
Joint Textile Commissioner
(CLB 1/1/1-75)

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL
Calcutta-20, the 5th February 1975

No. EI-12(75)/72(.).—On attaining the age of superannuation Shri J. N. Bhattacharjee, Deputy Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st January, 1975.

A. C. CHATTERJEE,
Deputy Director (Administration)
for Iron and Steel Controller.

DEPARTMENT OF MINES
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-13, the 5th February 1975

No. 601/B/51/62/19A.—Shri Prem Nath, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16-11-1974, until further orders.

No. 609/B/2339(SKD)/19B.—Shri Sikkendra Kishore De, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on minimum pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 19th December, 1974, until further orders.

The 6th February 1975

No. 612/B/40/59/C/19A.—Shri S. C. Balmiki, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as

Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th December, 1974, until further orders.

No. 633/2222(DJDG)/19A.—Shri Dhruva Jyoti Das Gupta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16-12-1974, until further orders.

The 7th February 1975

No. 676/B/2222(SS)/19A.—Shri Sutanu Sarkar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—710—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4-1-1975, until further orders.

No. 682/B/22/66/19A.—Shri V. P. Mehta received charge of the post of Stores Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the afternoon of 30-11-1974.

C. KARUNAKARAN,
Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 31st January 1975

No. A-1/1(1009).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. K. Talukdar, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from the forenoon of 6th December, 1974 and until further orders.

The appointment of Shri Talukdar as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 5th February 1975

No. A-1/1(374).—The President is pleased to appoint Shri R. Natarajan, Assistant Director of Supplies (Grade I) Grade III of the Indian Supply Service) in the Indian Supply Mission, London to officiate on *ad-hoc* basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 3rd January, 1975, and until further orders.

No. A-1/1(751).—The President is pleased to appoint Shri C. V. S. Gourishankar, Assistant Director (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service) who was on deputation as Senior Purchase Officer in Electronics Corporation of India, Ltd., Hyderabad to officiate, on *ad-hoc* basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 20th January, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 1st February 1975

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, add the following, namely :

Under Class 2-NITRATE MIXTURE

(1) add “PRM 21 for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1976” after the entry “PRM 12 for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1975”.

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 6th February 1975

No. 5(18)/66-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. Thanmawia, Transmission Executive, All India Radio, Kohima as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 2nd January, 1975 and until further orders.

No. 5(62)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shiv Kumar, Transmission Executive, All India Radio, Lucknow as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from the 6th January, 1975 and until further orders.

No. 5(31)/68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Gyan Singh Arya, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay as Programme Executive in the Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 1st January, 1975 and until further orders.

No. 5(20)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. S. S. Diengdoh, Transmission Executive, All India Radio, Shillong as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(22)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. C. Naik, Transmission Executive, All India Radio, Sambalpur as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 21st December, 1974 and until further orders.

No. 5(26)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. R. Hazarika, Transmission Executive, All India Radio, Dibrugarh as Programme Executive, at the same Station in a temporary capacity with effect from the 1st January, 1975 and until further orders.

No. 6(135)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Kanaka Rao, Transmission Executive, All India Radio, Visakhapatnam as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 24th December, 1974 and until further orders.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 30th January 1975

CORRIGENDUM

No. 10/10/75-SIII.—The name Shri T. N. Ravindra in the para 1 S. No. 2 of this Directorate's Notification No. 2/4/74-SIII, dated 15/18-1-75 may please be read as T. M. Ravindra.

HARJIT SINGH,
Deputy Director of Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th February 1975

No. 17-44/73-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Pawar in a substantive capacity to the permanent post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the 30th June, 1972.

No. 12-29/73-Adm.I.—While proceeding on leave preparatory to retirement, Shri K. C. Chopra relinquished charge of the post of Private Secretary to the Director General of Health Services (Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service) on the forenoon of the 7th January, 1975.

2. On attaining the age of superannuation, Shri K. C. Chopra retired from service with effect from the afternoon of the 31st January, 1975.

S. P. JINDAL,
Deputy Director Administration (O&M).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delhi, the 16th January 1975

No. F. 1-9/74-Adm.I.—The undersigned is pleased to appoint S/Shri P. R. Pavithran, Helicopter Mechanic, Jagdish Kumar and H. R. Saini, Aircraft Mechanics in the Directorate of Agricultural Aviation as Junior Aircraft Maintenance Engineers in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 (Old scale) in a temporary capacity in the same office with effect from 7th January 1975 (forenoon) until further orders.

S. P. SEN,
Director of Agricultural Aviation.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th February 1975

No. A-3502/1/74-ES.—While proceeding on deputation on foreign service terms to the Bokaro Steel Ltd., Shri T. K. Moitra, relinquished charge of the post of Assistant Aircraft Inspector, Office of the Controller of Aeronautical Inspection, Calcutta, in the afternoon of the 11th July, 1974.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 6th February 1975

No. A-38013/1/74-EC.—The President has been pleased to permit Shri M. Krishna, Assistant Communication Officer, Civil Aviation Department, to retire from Government service in terms of the provisions of F. R. 36(k) with effect from the 15th January, 1975 (afternoon).

The 11th February 1975

No. A-32014/4/73-EC.—The Director General of Civil Aviation was pleased to appoint Shri I. L. Raura, Communication Assistant at Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi as Assistant Communication Officer at the same station with effect from the forenoon of the 1st August, 1974 on *ad hoc* basis *vice* Shri K. S. Gopalan, Assistant Communication Officer at the same station granted earned leave for the period from the 1st August 1974 to 21st September 1974 (afternoon).

No. A-32014/1/74-EC.—The President is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officers on a purely *ad hoc* basis with effect from the date shown against each and until further orders :—

S. No., Name, Date from which appointed & Aeronautical comm. Station to which posted

1. Shri G. S. Kochikar, 7th November 1974 (F.N.)—Bombay.
2. Shri M. Raghavan, 8th November 1974 (F.N.)—Madras.
3. Shri K. S. Balasubramaniam, 28th November 1974 (F.N.)—Bombay.

No. A-12025/5/74-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officers on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders :—

S. No., Name, Date from which appointed & Office/Station to which posted

1. Shri S. P. Konar, 26th August 1974 (F.N.)—A.C.S. Bombay.

2. Shri D. Anbalagan, 13th September 1974 (F.N.)—A.C.S., Calcutta.
3. Shri Rup Chand, 16th October 1974 (F.N.)—Radio Construction & Development Units, New Delhi.
4. Shri Rakesh Kumar Tandon, 17th October 1974 (F.N.)—A.C.S., Bombay.

The 11th February 1975

No. A-32013/6/74-EC.—Shri N. Sundaram, Communication Officer in the office of the Officer-in-Charge, Aeronautical Communication Station, Trivandrum relinquished charge of his office on the 30th November, 1974 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
New Delhi-3, the 11th February 1975

No. E(1)/04243.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. P. Kurian, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th December, 1974 and until further orders.

The P. P. Kurian, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)/03760.—On the expiry of the leave granted to him in this Department Order No. E(1)/03750 dated 27th July 1974, Shri M. C. Parthasarathy, Officiating Assistant Meteorologist, Met. Centre, Bangalore under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st October 1974 on attaining the age of superannuation.

No. E(1)/04288.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. Chellapa, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1974 and until further orders.

Shri R. Chellapa, offg. Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.

The 12th February 1975

No. E(1)/04334.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. D. Patil, Officiating Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1974 and until further orders.

Shri N. D. Patil, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

No. E(1)/06033.—The Director General of Observatories hereby approves the proforma promotion of Shri V. K. Bhargava, Professional Assistant and presently officiating as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, to the post of Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service Class II (Central Service, Class II) in this Department with effect from the 6th August, 1973, and until further orders.

No. E(1)/06122.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri G. S. Varma, Officiating Professional Assistant, Office of the Director General of Observatories,

New Delhi as Assistant Meteorologist in an Officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd January 1975 and until further orders.

Shri G. S. Varma, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)/04329.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. P. Patra, Officiating Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1974 and until further orders.

Shri K. P. Patra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

NOOTAN DAS,
Meteorologist,
for Director General of Observatories.

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE
Nagpur-440001, the 27th September 1974

No. 10/74.—On transfer, Shri D. P. Mathur, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Raipur assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Indore, in the afternoon of 15th July, 1974.

No. 11/74.—On transfer, Shri D. P. Dubey, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Indore assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Raipur in the forenoon of 18th July 1974.

R. N. SHUKLA,
Collector

Patna, the 6th February 1975

C. No. 11(7)/1-ET/70/1273.—In pursuance of this office Establishment order No. 398/74 dated 30th December 1974 appointing Shri R. N. Prasad, Inspector (Senior Grade) of Central Excise and Customs to officiate provisionally as Superintendent Class II of Central Excise and Customs in the time scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowance as admissible under rules. Shri R. N. Prasad assumed charge as Superintendent Central Excise, Biharsharif M.O.R. in the forenoon of 3rd January 1975.

H. N. SAHU,
Collector,

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION
(OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER,
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION)

Jeypore, the 7th February 1975

No. V-4/10-3308P.—An official communication bearing number P. 1/8/74-2522, dated 7th December 1974 sent to Shri D. C. Chakraborty, Dak Runner of Unit-2 on his present and permanent address as entered in the records by Assistant Engineers (Drilling), Rehabilitation Reclamation Organisation, MV-19, Malkangiri has been received back undelivered to him. Shri D. C. Chakraborty should communicate to this office his present address within 15 days of the issue of this notification failing which the aforesaid communication will be deemed to have been delivered to him.

B. P. SAXENA,
Administrative Officer,
for Chief Mechanical Engineer.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 10th February 1975

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated 1st November, 1974, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. Guha, Research Assistant to officiate

in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period with effect from 1st January 1975 to 31st March 1975, or till the regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated the 4th Dec. 1974, the Chairman Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period from 1st January 1975 to 31st March 1975, or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri V. Ramanathan.
2. Shri I. Z. Poonawala.
3. Smt. Valsala Kumari.
4. Shri A. C. Kale.

V. G. MENON,
Under Secy.

for Chairman C. W. Commission.

New Delhi-22, the 10th February 1975

No. A-32014/2/70-Adm.V (Vol.IV).—In supersession of this Commission's notification No. A-32014/2/70-Adm. V, dated the 23rd February 1972 the Chairman Central Water Commission is pleased to appoint Shri K. D. Choudhary to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a regular basis in the pre-revised scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—35—900 in an officiating capacity with effect from 31st August, 1971.

2. Shri Choudhary will be regarded as having been on probation in the grade of EAD/AE/ARO(Engg.) for a period of two years with effect from 31st August, 1971 and as having completed satisfactorily for purpose of appointment to the grade of EAD/AE/ARO(Engg.) in the Central Water Commission on a long term basis.

K. P. B. MENON,
Under Secy.

for Chairman, C. W. Commission.

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 29th January 1975

No. AE-2134/Prom-7/3/1/Elec.—Shri B. D. Ahirwar, IRSEE Probationer is confirmed in Junior Scale cadre of the Electrical Engineering Department of the Eastern Railway with effect from 15th December 1973.

V. P. SAWHNEY,
General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Alankar Housing & Construction Private Limited
Delhi, the 7th February 1975

No. 4349/1898.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Alankar Housing & Construction Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE.
Assistant Registrar of Companies, Delhi.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Banga Dara Publications Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2344/Liq/1089/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Banga Dara Publications Limited, Trivandrum-10 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Swarna Films Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2108/Liq/1130/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Swarna Films Private Limited, Trichur-1 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Meleppura Unniri and Company Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1916/Liq/1117/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Meleppura Unniri and Company Private Limited, Kunnankulam has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Lotus Publishing House Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1899/Liq/1115/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lotus Publishing House Limited, Kozhikode has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Alphonsa Giri Estates Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1851/Liq/1113/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alphonsa Giri Estates Private Limited, Mamood P.O., Changanacherry has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Purapuzha Plantations Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1821/Liq/1111/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Purapuzha Plantations Private Limited, Purapuzha P.O. has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Malabar Ideal Corporation Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1746/Liq/1109/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Malabar Ideal Corporation Private Limited, Calmanore has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Malabar General Products Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1558/Liq/1107/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Malabar General Products Private Limited, Tellicherry has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
P. M. Abraham and Company Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 961/Liq/1105/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P. M. Abraham and Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Uadakkekad Chit Funds and Trading Company Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2002/Liq/1103/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Uadakkekad Chit Funds and Trading Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Empire Enterprises Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2087/Liq/1101/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Empire Enterprises Private Limited, Alleppey has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eevarr Pharma Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2115/Liq/1099/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Eevarr Pharma Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jettad Hire Purchase and Sales Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2227/Liq/1093/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jettad Hire Purchase and Sales Private Limited, Cochin-1 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Thomson Kuries and Cash Credits Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2210/Liq/1095/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Thomson Kuries and Cash Credits Private Limited, Cochin has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chitra Exports Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2190/Liq/1097/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Chitra Exports Private Limited, Cochin-18 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Menora Printing Press Private Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 749/Liq/1091/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Menora Printing Press Private Limited, Cochin-2 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

1956, that the name of The Menora Printing Press Private Limited, Cochin-2 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Cherrisons (Private) Limited
Ernakulam, the 29th January 1975

No. 246/Liq/1145/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cherrisons (Private) Limited, Kottayam has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Central Travancore Chitty Fund Private Limited
Ernakulam, the 11th February 1975

No. 214/Liq/1535.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Central Travancore Chitty Fund Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kalpana Theatres Private Limited
Ernakulam, the 11th February 1975

No. 2251/Liq/1537.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kalpana Theatres Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Colleague Metals Private Limited
Ernakulam, the 11th February 1975

No. 1923/Liq/1550.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Colleague Metals Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Neo Trading Agency Private Limited
Ernakulam, the 11th February 1975

No. 1828/Liq/1552.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Neo Trading Agency Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Baby Mills Limited
Ernakulam, the 11th February 1975

No. 136/Liq/1554.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Baby Mills Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jouhar Publishing Company Private Limited
Ernakulam, the 11th February 1975

No. 2241/Liq/1556.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jouhar Publishing Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR,
Registrar of Companies Kerala.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Naranlal Jivanlal & Company Private Limited

Ahmedabad-9, the 30th January 1975

No. 118/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Naranlal Jivanlal & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Frizzo Industrial Company Private Limited

Ahmedabad-9, the 30th January 1975

No. 1762/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Frizzo Industrial Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hetal Finance Private Limited

Ahmedabad-9, the 30th January 1975

No. 2004/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of M/s. Hetal Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Maniar Private Limited

Ahmedabad-9, the 10th February 1975

No. 1201/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Maniar Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. K. KATHIA,
Registrar of Companies, Gujarat.

MINISTRY OF FINANCE

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 6th December 1974

ORDER

No. 81(C)(28)/68.—The Income-tax sub-charge known as "Income-tax Officer (Administration) Circle I, Lucknow is hereby abolished with effect from 6th December 1974.

2. This ORDER shall come into force with effect from 6th December 1974.

E. K. LYALL,
Commissioner of Income-tax,
Lucknow-I, Lucknow.

Hyderabad, the 6th February, 1975 INCOME-TAX

Recovery No. 10/74-75.—For the information of the general public the names of the Tax Recovery officers and the Inspectors attached to them who are authorised to accept cash on behalf of the Income-tax Department in Andhra Pradesh towards Income-tax, Wealth-tax and Gift-tax arrears are published hereunder :

1. The Tax Recovery Officers and the Inspectors attached to them will carry an Identity Card (issued by the Commissioner) specifying mentioning that they are authorised to receive cash on behalf of the Income-tax Department.

3. On payment, a serially numbered receipt will be issued duly signed by the collecting official.

4. This supersedes earlier Notifications issued in this behalf.

Sl. No.	Headquarters of the Tax Recovery Officer	Name of the Tax Recovery Officer	Name of the Inspector attached
1	2	3	4
1.	Tax Recovery Office, Hyderabad	S/Sri 1. G. Satyanarayana Murthy, TRO-I. 2. T. K. V. Subramanian, TRO-II 3. R. Bhaskara Rao, TRO-III	S/Sri 1. P. Ramalingeswara Rao 2. V. Venkataratnam 3. C. V. Suryaprekasa Rao 1. B. Narasimha Rao 2. K. N. Yedajiah 3. K. Jagadeeswara Rao 1. K. V. Krishnamurthy 2. B. N. Gnanaprakash 3. D. U. V. G. Veera Raghava Rao
2.	Tax Recovery Office, Vijayawada	4. A. Subba Rao	1. I. J. Naidu, Vijayawada Squad 2. B. P. Ramana Naik, Guntur Squad 3. M. Bashiruddin, Warangal Squad
3.	Tax Recovery Office, Visakhapatnam	5. G. Muralidhara Rao	1. A. Swaminaidu, Vizag Squad 2. N. Javakar, Kakinada Squad 3. A. Jabbar Khan, Vizianagaram Squad
4.	Tax Recovery Office, Nallore	6. A. V. Krishna Rao	1. M. A. R. M. Nellore Squad 2. P. Venkateswarlu, Chittoor Squad 3. V. Sivakumar, Anantapur Squad

M. D. VARMA,
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

R.f. No. AR.V/109/14/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

Nos. 53 54 59 and 66 situated at Village Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- | | |
|----------------------------------|--------------|
| (1) Minerva Dealers Private Ltd. | (Transferor) |
| (2) Smt. Pushpa Devi Saraf. | (Transferee) |

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nalur, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected thereon admeasuring 1020 sq. ft. equivalent to 204.22 sq. mtrs or therabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say On or towards the North by portion of the said structure admeasuring 1082 sq. ft. ON or towards the SOUTH by a strip of unbuilt land forming part of land bearing Plots Nos. 53 54 and 59 and 66 ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. and ON or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66.

J. M. MEHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 25-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Minerva Dealers Private Ltd.	(Transferor)
(2) Shri Renu Shivkumar Dalmia.	(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/115/20/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as said act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 53 54 59 and 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected thereon admeasuring 2137 sq. ft. equivalent to 198.53 sq. meters or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say on or towards the NORTH by portion of the said structure admeasuring 1039.00 sq. ON or towards the SOUTH by a portion of the said structure admeasuring 2162 sq. ft. ON or towards the WEST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and ON towards the EAST by a strip of unbuilt land.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 25-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Minerva Dealers Private Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa Devi Saraf. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-20

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay-20, the 25th January 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.V/113/18/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as said act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Plot Nos. 53 54 59 and 66 situated at Nahu Village Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahu, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected thereon admeasuring 2166 sq. ft. equivalent to 201.22 sq. meters or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say On or towards the North by portion of the said structure admeasuring 2166 sq. ft. ON or towards THE SOUTH by a portion of the said structure admeasuring 1020 sq. ft. ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. and ON or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D or the said act to the following persons, namely :—

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 25-1-1975
Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/108/13/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-V Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as said act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 53 54 59 and 66 situated at Nahur Village Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Minerva Dealers Private Ltd.
- (2) Smt. Nirmal Dalmia.

(Transferor)
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected thereon admeasuring 1083 sq. ft. equivalent to 100 611 sq. metres or thereabout and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say On or towards the North by portion of the said structure admeasuring 1083.00 sq. ft. ON or towards the SOUTH also by a portion of the said structure admeasuring 1083 sq. ft. ON or towards the WEST by a portion of the structure admeasuring 1052.9 sq. ft. On or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66.

J. M. MEHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 25-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
(3RD FLOOR) 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 28th January 1975

Ref. No. Ac-81/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/7 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Registrar of Assurance Cal. on 11-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahabir Prasad Poddar, A9/25 Vasant Vihar New Delhi. (Transferor)
(2) M/s. Kewal Court Pvt. Ltd, 60/1 Chowringhee Rd. Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas, 10 kottahs 11 chittaks and 4 sq. ft. at 24/7 Raja Santosh Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
(3rd Floor) 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 28-1-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Ashoka Marketing Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Minerva Dealers Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/98/3/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-V Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as said act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. R-4 & R-5 situated at Village Nahur, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 30-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot No. R-4 and R-5—Total area 1263 sq. yds.—situated at Village Nahur, Mulund Greater Bombay.

J. M. MEHRA,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 25-1-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/110/15/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V Bombay

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 71 (part) C.T.S. No. 731 Part Survey No. 66 (Part) C.T.S. No. 731 (part) situate at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bombay on 25-6-1974

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pandurang K. Bhoir. (Transferor)

(2) Shri Padam Kanodla & Ors. (Transferee)
17—486GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land lying and situate at Village Nahur, Taluka Kurla District Bombay Suburban Registration Sub-District Bandra in Greater Bombay firstly out of Survey No. 71 (Part) C.T.S. No. 71 (part) admeasuring 9339 sq. yds. equivalent to 7808.6 sq. meters or thereabouts and secondly out of Survey No. 66 (part) C.T.S. No. 731 (part) admeasuring 471 sq. yds. equivalent to 393.8 meters or thereabouts, both together admeasuring 9810 sq. yds. equivalent to 8202.4 sq. meters or thereabouts and bounded as follows :—

that is to say on or towards the East land bearing Survey No. 66 (part), C.T.S. Nos. 763 731 on or towards the WEST Lal Bhadur Shastri Marg on or towards the North land bearing Survey No. 71 (part) C.T.S. No. 728 and 731 and on or towards the south land bearing Survey No. 72 (part) C.T.S. No. 733 and Gregaon Mulund Link Road.

J. M. MEHRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 30-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1975

Ref No AR,V/107/12/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V Bombay being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot Nos 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------------------|--------------|
| (1) Minerva Dealers Private Limited. | (Transferor) |
| (2) Kum. Shashi Dalmia. | (Transferee) |

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66 situate lying and being at Village Nahur Near Mulund in Greater Bombay together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1067.37 sq. ft. equivalent to 99.16 sq. meters of the thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows :—

That is to say ON or towards the NORTH by a portion of the said structure admeasuring 1081 sq. ft. ON or towards the SOUTH by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66. On or towards the WEST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66 and ON or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. i.e. 99.16 sq. meters.

J. M. MEHRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income- tax, Acquisition Range-V Bombay.

Date : 29-1-1975

Seal .

FORM ITNS—

(2) Smt. Phool Kali Devi and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 25th January 1975

Ref. No. 23-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 situated at Shah Ganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sultanpur on 7-6-73/7-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Saran Lal.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring (68'×13') which is situated at Mohalla—Shah Ganj Distt. Sultanpur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date : 25-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F. 1348-A/74-75.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 situated at Mount Road, Madras-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSRO Madras on 17-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri M. P. Ansary (Transferor)
S/o late M. P. Mohideen
No. 38, 3rd Main Road, CIT Nagar
Madras-35.

(2) Mrs. Sharifa Ghani, w/o Shri K. M. Yahaya
Poonthottam Nannilam Taluk,
Tanjore District.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor admeasuring 1629 sq. ft. situated at Door No. 24, Mount Road Madras-35 (Plot No. 4 Block No. 9 R.S. No. 4/2A/2 T.S. No. 4).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition
Range-2, Madras-6

Date : 29-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Miss Y. Faridha Beevi, d/o Mr. K. M. Yahaya,
Mr. Y. Sashi Ahmed s/o Mr. K. M. Yahaya.
Poonthottam, Nannilam Taluk
Tanjore Dist.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F. 1348-A/74-75.—Whereas, I, A. RAGHA-
VENDRA RAO
being the competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing door
No. 24 situated at Mount Road, Madras-35
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at JSRO Madras on 17-6-1974
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
for such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the trans-
feror(s) and the transferee(s) has not been truly stat-
ed in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

(1) Shri M. P. Ansary,
S/o late M. P. Mohideen
No. 38, 3rd Main Road CIT Nagar,
Madras-35. (Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor admeasuring 1629 sq. ft. situated at Door
No. 24, Mount Road, Madras-35 (Plot No. 4 Block No. 9)
R.S. No. 4/2-A/2, T.S. No. 4).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 29-1-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2

123 MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.3172/74-75.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 22/5; 23/4; 23/6; 25/1; 25/3; 26/4; 26/3; 27/6, 27/6, 20/1 and 31/1 Pettavathalai village Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4052) on 27-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) for the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri N. R. Sundararaja Iyer (Transferor)
S/o Shri N. A. Renganatha Iyer,
Nangavaram, Trichy.

(2) M/s Bhanu Paper Mill Ltd.,
No. 32, West Chinthamani, Trichy. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 25.76 acres and bearing S. Nos. 22/5; 23/4; 23/6; 25/1; 25/3; 26/4, 26/3, 27/6, 27/6, 20/1 and 31/1 situated at Pettavathalai village Trichy.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 29-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.1368/74-75.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at S. No. 9/4 & 9/6 Vada Agaram village (22 grounds)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam on 6-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri N. Kesava Nayagar;
 - (2) Shri K. Anandan;
 - (3) A. Mohanasundaram (Minor);
 - (4) A. Gopalkrishnan (Minor)
- (Minors represented by their father & guardian Shri K. Anandan), No. 5, Vijaya Vigneswarar Kovil St., Choolai, Madras-7. (Transferor)
- (2) M/s. Vikash Solvextracts Private Ltd.,
No. 17/4 Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 22 grounds situated at 108 Vada-garam village, Madras (R.S. Nos. 9/4 and 9/6).

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2 Madras-6.

Date : 29-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Moolangudi Chit Funds P. Ltd.,
No. 44, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.1369/74-75.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. situated at S. No. 9/1 and 9/3B village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam on 16-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) M/s. Vikash Solvextracts P. Ltd.,
No. 17/4 Nungambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 6 grounds and 1152 sq. ft. and bearing S. No. 9/1 and 9/3B situated at Village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 29-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.1369/74-75.—Whereas, I, A RAGHAVENDRA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being Door No. situated at S. No. 9/1 and 9/3B village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kodambakkam on 10-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

18—486GI/74

(1) M/s. Moolangudi Chit Funds P. Ltd.,
No. 44, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) M/s. Vikash Solvextracts P. Ltd.,
No. 17/4 Nungambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 6 grounds and 1248 sq. ft. and bearing S. Nos. 9/1 and 9/3B situated at Village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 29-1-1975

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V.

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 31st January 1975

Ref. No. AR.V/99/4/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as 'said act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 8, H. No. 9 (part) 13, 15 and 16 situated at Mohili Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 14-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Anubai Augustian Borges.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Kumar Tulsidas & Ors.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of vacant agricultural land or ground situate lying and being at Village Mohili off Kurla Andheri Road, Talukar Kurla, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing the following survey Nos. and Hissa Nos.

Survey No.	Hissa Nos.	Area in sq. yds.
8	15 (part)	121
8	16	363
		<hr/> 484 <hr/>

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 31-1-1975
Seal ;

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
SECUNDERABAD**

Secunderabad, the 4th February 1975

Ref. No. RAC. No. 93/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-243 and 244 situated at Maredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 7-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Kylasa Nagendar Rao, S/o Kylasa Sarabiak
(2) Kylasa Sudhir S/o Nagendar Rao,
(3) Kylasa Vihod S/o Nagender,
All residing at No. 1724 Gunj Bazar, Secunderabad,
- (2) Shri F. Tejraj S/o Fakirchand,
No. 7-1-788 Behind Old Jail, Secunderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Building on plot No. 173 No. 102-243 and 244 at Nehrunagar, Maredpally, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 4-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Laxminarain Bhagwanbax,
158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th February 1975

Ref. No. AR/III/564/74-75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 of 1961, the 'said Act' (hereinafter referred as) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, S. Nos. 105 to 107 and 109 to 112 situated at Goregaon (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office Bombay on 18-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely:—

- (1) M/s. Somani & Co., Pvt., Ltd.,
Das Chambers, 25 Dalal Street, Fort, Bombay.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, 1961 (43 of 1961) have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of a plot of land bearing Plot No. 3 of the Somanigram, Ram Mandir Road, Goregaon (West) Bombay-62 Bombay Suburban District and Registration sub district of Bombay city and BSD more and forming part of the land particularly described in the first schedule hereinabove written and admeasuring 1733 sq. metres (2072.67 sq. yards.) and the said sub-plot is more particularly described in the plan attached hereto and shown by the red boundary lines. On north bounded by survey No. 112 (hissas No. 1 Part) on East by plot No. 40 on south by proposed internal 30' wide road and on the West by plot No. 2.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III
Bombay.

Date : 4-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/107/Gbd/74-75/2612.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77 & 78 situated at Rightganj, Ganda Nala Ghaziabad, Meerut (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ghaziabad on 1-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sayeedan W/o Sri Mahmud Ahsan; Sri Ajijuddin; Sri Mohd. Siddiq; Sri Iqbal Ahmad; Sri Abdul Qarim; Sri Raziuddin; Sri Shahasuddin; Sri Anis Ahmad Ss/o Sri Nazir Ahmad; Sri Sirajuddin S/o Sri Abdul Mazid and Sri Habib Ahmad; Sri Islamuddin Ss/o Sri Abdul Wahid and Smt. Shahjahan D/o Sri Abdul Wahid, W/o Sri Usman Khan; Smt. Akhtari D/o Sri Abdul Wahid and W/o Sri Abdul Rasheed; Smt. Nooro Alias Noor Jahan D/o Sri Abdul Wahid and W/o Sri Abdulaziz; Sri Shahabuddin; Sri Sheruddin Ss/o Sri Karimuddin Rs/o village Sadarpur, P.O. Dasna, Tehsil Ghaziabad, District Meerut.

(Transferors)

- (2) Sri Samman S/o Sri Mohd. Shafi, Smt. Ajjan D/o Sri Abdul Maziz and W/o Haji Mohd. Ismail alias Kalo; Smt. Noorjahan Begum D/o Sri Abdul Maziz and W/o Sri Samman R/o Moh. Ganda Nala Rightganj Garvi, House No. 43, Ghaziabad, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, District Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops bearing No. 77 and 78 situated at Rightganj, Ganda-Nala, Ghaziabad, Meerut transferred for apparent consideration of Rs. 60,000/-.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/212/KNP/74-75/2614.—Whereas, I. Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/109A situated at Swaroop Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 29-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Eileen Sony W/o Sri Rajesh Sony R/o XY 15 Sarojini Nagar, New Delhi; James Neal S/o Late Mr. Malcolm George Neal R/o 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur; Mrs. Helen Murray (Nee' Neal) W/o Colin Murray R/o 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur; Mrs. Pamela Williams W/o Raja Williams, R/o 7/135A, Swaroop Nagar, Kanpur; Km. Nellie Neal and Vharles Neal Children of Mr. M. G. Neal R/o 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferors)

- (2) Smt. Sheela Khanna W/o Sri Amar Nath Khanna, Smt. Uma Khanna W/o Sri Kailash Nath Khanna; Smt. Indira Khanna W/o Sri Anil Kumar Khanna; residents of 7/140, Swaroop Nagar, Kanpur, (Transferees)

- (3) Sri Kailash Nath Khanna, 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur.

[Persons whom the Competent Authority knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7/109A alongwith construction thereon measuring 525 sq. yds. situated at Swaroop Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 37,500/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/154/Gbd./74-75/2606.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-1 situated at Model Town, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarla Kumari Arora, W/o Sri Suresh Chand Arora, R/o 48, Saket, Meerut, through Sri Mahesh Chand Narula S/o Sri Hakmi Amir Singh Narula, R/o 145, Pukhta Mori, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) (1) Sri Ved Prakash

(2) Sri Prem Chand

(3) Sri Dharam Pal

(4) Sri Jai Pal

(5) Sri Yash Pal

Ss/o Sri Atma Ram, R/o 555/56, Kirtanwali Gali Chhoti Bazaria, Ghaziabad, District Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-1 measuring 1300 sq. yds. ($\frac{1}{4}$ portion) situated at Model Town, Ghaziabad transferred for apparent consideration of Rs. 30,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anandi Devi Sajwan W/o Maj. Dalip Singh Sajwan, R/o 41, Sharmada Tyagi Road, Dehradun.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vijai Laxmi Pandey W/o Sri S. D. Pandey, 16, Balbir Avenue, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. No. Acq/143/D.Dun/74-75/2607.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/5/19-C situated at Balbir Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under, the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing municipal No. 19/5/19-C situated at Balbir Road, Dehradun comprising cottage and 2 bighas and 18 biswas of land having plinth area of 880 sq. ft. transferred for apparent consideration of Rs. 32,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/165/KNP/74-75/2604.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55/67 situated at Kahoo Kothi, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 13-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Hari Mohan Nath Kaul & Brahmohan Nath Kaul Ss/O Late Pt. Rameshwar Nath Kaul, residents of 55/67 Shatranji Mohal, Kanpur.
(Transferor)(2) Smt. Ishwari Devi Misra W/o Uma Nath Misra, and S/Sri Gopal Narain Misra, Jagdish Narain Misra, Kailash Narain Misra Ss/o Sri Umanath Misra, all R/o 47/96, Hatia, Kanpur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 55/67 (C portion) measuring 708.3 sq. ft. situated at Kahoo Kothi, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.Date : 6-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. No. Acq/188/KNP/74-75/2605.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25 situated at Anandpuri, 133/60, Juhi Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 21-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Autar Saraf S/o Sri Mahabir Prasad Saraf, R/o 23/48, Patkapur Kanpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25 measuring 866.66 sq. yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 51,999.60.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/5/Bidhuna/74-75/2603.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at village Bodepur, Parg. Bidhuna, Distt. Etawah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidhuna on 21-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And, whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Haridas Mal alias Haridas Mal S/o Datu Mal alias Das Mal R/o Nagla Nawelganj, Village Bodepur, Parg. Bidhuna, P.O. Achhalda, Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) (1) Devdndas S/o Mehar Chand;
(3) Govind Ram S/o Devan Das;
(3) Govind Ram S/o Devan Das;
(4) Ramesh Lal S/o Mool Chand;
residents of Kasba Bharthana, P.O. & Pargana Bharthana, Distt. Etawah.

(Transferee)

Objection, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property land measuring 2.91 acres out of Khasra Nos. 830 (area 1.04 acres), 829 (area 0.63 acres), 832 (0.07 acres), 831 (0.13 acres), 831 Ka/9 (0.66 acres) and 832 Ka (0.01 acres), 833 (0.75 acres), and tin shed, fencing wall, doors etc. besides other constructions of chimni etc., situated in village Bodepur, Pargana Bidhuna, Distt. Etawah transferred for apparent consideration of Rs. 50,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Juhi, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyam Sunder Kadia S/o Shri Shanker Lal Kadia, R/16/38, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F.No. Acq/189/KNP/74-75/2602.—Whereas, I, Y KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 67 situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 21-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property plot No. 67 having area of 777.77 sq. yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 42,777.35 (in round figures Rs. 42,777/-).

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date 3-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/181/KNP/74-75/2601.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 128/11 'G' situated at Kidwai Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Sri Baij Nath Tandon S/o Sri Ram Krishna Tandon
R/o House No. 47/132, Hatia Bartan Bazar,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Sri Satya Narain Misra S/o Sri Shree Ram Misra,
R/o H.No. 53, Basant Nagar, Juhi, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 128/11 'G' having an area of 200 sq. yds. situated at Kidwai Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 37,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/120/D-Dun/74-75/2600.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule at Rajpur Road, Dehradun (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 3-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Chandar Paul Sood S/o Late Sri Kirpa Ram Sood, R/o 7/17, Roopnagar, Delhi-7; and, Sri Parma Nand Sood, S/o Late Sri Rulia Ram Sood, R/o 49/4, Rajpur Road, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Nerbartpur Christian Hospital Association, a society registered, under the Indian societies Registration Act, Regd. Office at 85-A, Rundall's Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property No. 153-D (New No. 153/4) situated at Rajpur Road, Dehradun comprising 68493 sq. ft. of land with a house, garage, etc. constructed thereon besides servant quarters and electricity and water fittings and wire (barbed) fencing and gate, transferred for apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistance Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 6-1-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/KNP/149/74-75/2583.—Whereas,
I, Y. Khokhar,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason
to believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 601 situated at Cantonment, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at Kanpur on 9-7-74, for an
apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

- (1) Smt. Sahodra Devi Agarwal,
Wd/o Late L. Raghubar Dayal Agarwal,
47/84, Hatia, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Girja Devi W/o Ramnath Gupta,
Harinath Gupta S/o Shri Sohan Lal Gupta,
both resident of 76/93, Coolie Bazar,
Kanpur and
Sri Vivek Kumar Gupta,
S/o Sri Kedarnath Gupta,
R/o 48/208, Generalganj, Kanpur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objections and
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 601 measuring 0.26 acres i.e. 1258.40 sq.
yards situated at Cantonment, Kanpur transferred for
apparent consideration of Rs. 40,000/-.

Y. KHOKHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 6-1-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/185/KNP/74-75/2582.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 43 situated at Swaroop Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Sri Narain Nigam, Advocate,
15/87A, Civil Lines, Kanpur,

(Transferor)

(2) S/Shri Prabhu Das Sah, Bacchu Bhai, Naveen
Bhai and Smt. Vijya Gauri,
26/59, Birbana Road, Kanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43 measuring 2131.5 sq yds. situated at Swaroop Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,14,000/- (One lac fourteen thousand rupees).

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 3-1-75

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/118/Agra/74-75/2581.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/14A situated at Old Vijay Nagar Colony, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 3-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savita Devi Agarwal,
D/o Late Sri Ratan Lal, and
W/o Sri Ram Sewak Agarwal,
R/o 1177 (Old) 6/157, Phatak Suraj Bhan,
Belanganj, Agra.

(Transferor)

(1) Sri Lekh Raj, S/o Sri Gyan Chand,
R/o Jamuna Bank, Belanganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22/14A measuring 844.4 sq. yds. situated at old Vijay Nagar Colony, Agra transferred for apparent consideration of Rs. 50,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 3-1-75

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/51/Hapur/74-75/2580.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Asoda, Mohalla Railway Road, Sri Nagar Hapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 4-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudhakar Misra S/o Sri Babu Ram Misra, R/o Mohalla Sri Nagar, Railway Road, Hapur; and

Smt. Prabha Misra W/o Sudhakar Misra, R/o Mohalla Sri Nagar, Railway Road, Hapur, Distt. Meerut have exchanged their properties as mentioned in schedule of notice u/s 269D(1).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The double storeyed quarters having total area of 528sq. yds. (Khasra No. 2730) situated in village Asoda, Mohalla Railway Road, Srinagar, Hapur (first part); House property No. 273/3 having total area of 744 sq. yds. situated at Mohalla Railway Road (Khasra No. 2730) situated in village Asoda, Railway Road, Sri Nagar, Hapur; transferred for apparent consideration of Rs. 40,500/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-1-75

Seal :

FORM ITNS

94/A, New Double Storey, Lajpatnagar No. 4, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ram Dal Mill, Mukhwa Guldhar (Dhargal), through Sri Shiv Charan Prasad Gupta; and Sri Ram Charan Sahai S/o Sri Bhikki Sahai R/o C-5/2, Guldhar (Dhargal), Parg Jalalabad, Teh. Ghaziabad, Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed ahata, Khasra No. 667 measuring 1500 sq. yds. situated in Village Ghlghar, Ghaziabad, Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 48,000/-.

Ref. F. No. Acq/93/Ghd./74-75/2579.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 667 situated at Village Guldhar (Dhargal) Pargana Jalalabad, Ghaziabad, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 24-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Waryam Singh S/o Santa Singh S/o Hira Singh V. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Ram Dass S/o Sri Tula Ram, R/o House No.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-1-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/157/KNP/74-75/2578.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 126/50 situated at Block, Govind Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (41 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Gauri Shankar,
S/o Sri Gaya Prasad Srivastava,
126/50, G-Block, Govind Nagar, Kanpur.
1/3, Pili Colony, Juhi, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Shyam Sunderi Misra,
W/o Late Sri Jagannath Prasad Misra,
89/11, J. K. Quarters, Anwarganj, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 30 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 126/50, G-Block, Govindnagar, on plot No. 34 measuring 311 sq. yds. transferred for apparent consideration of Rs. 46,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 6-1-75

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Sadhu Ram S/o Ganeshamal, R/o 118/69 Kaulshalpuri Kanpur present R/o Mahesh Banerly Road, P.O. Pani Hati Kharda, Distt. 24 Parganas, West Bengal.

(Transferor)

- (2) Shri Pilco Pharma,
117/622, Pandav Nagar, Kanpur,
through Shiv Charan Lal,
Partner, Firm.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/168/KNP/74-75/2577.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Factory Area, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 measuring 0.84 acres i.e. 4065.6 sq. yds. scheme No. 1 bearing municipal No. 123/37, Factory Area, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,21,968/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 6-1-75

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Hoshang D. Nanavati

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1975

Ref. No. AR-II/1025/2483/74-75.—Whereas, 1, V. R. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.A.S. No. 100 situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of non-agricultural land or ground together with the meauage, tenements, dwelling houses, out-houses and buildings standing thereon situate lying and being at Pali Hill, Bandra, in the Revenue Village of Danda, South Salsette Taluka, Bombay Suburban District, Registration District Bombay Suburban Registration Sub-District Bandra, which contains by admeasurement 1452 (one thousand four hundred and fifty two) square yards or thereabouts equivalent to 1214.0172 sq metres and bears non-agricultural Survey No. 100 of Danda and bounded as follows, that is to say, on or towards the NORTH by the property bearing N.A. No. 103 formerly belonging to Cowasji Merwanji Sett and now belonging to the Life Insurance Corporation of India, on or towards the EAST by the property bearing Survey No. 313A Hissa No. 1 formerly belonging to Ignatius F. Pereira and now belonging to the Life Insurance Corporation of India, on or towards the South by the property bearing N.A. No. 87 formerly belonging to Mulraj Khatav and now belonging to Mr. Moos and on or towards the WEST by the Pali Hill Road and assessed by the Bombay Municipality under H. Ward No. 2124, Street No. 38A, Pali Hill. The property bears City Register Nos. 1357-1358-1359 and 1360.

1/5th share of the above property.

V. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

(1) Shri Dhanjisha H. Nanavati

(Transferor)

Date : 29th January 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM

Ernakulam, the 4th February 1975

Ref. No. LC-24/74-75.—Whereas, I, T. B. Swaminathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy 37/1 situated at Sivarama Menon Road, Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 26-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sankarankutty Menon,
S/o Purakoliveethil Kunjikavu Amma,
Karithala, Ernakulam. (Transferor)
- (2) Shri K. K. Balan, S/o Krishna,
Kelamengelath Parembil Veedu,
Trikanarvattarn, Ernakulam (Transferee)
- (3) 1. Shri Peringath Prabhakera Menon, Sivarama Menon Road, Ernakulam.
2. L. Ranganathan, S/o Nanky,
Sivarama Menon Road, Ernakulam.
3. Shri D. J. Roberts,
Sivarama Menon Road, Ernakulam.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 Cents 960 Sq. links of land with building in Sn. No. 37/1 at Sivarama Menon Road, Ernakulam, Cochin-16.

T. B. SWAMINATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 4-2-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM RAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1975

Ref. No. Acq./23-I-345(134)/10-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (hereinafter referred to as the 'said Act') Survey No. 56-D-2, 55-D-2 situated at Lindi Bazar, Suriya Kali, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 6-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Soni Naranji Hemraj,
2. Soni Bhagwandas Nandlal,
3. Soni Rajnikant Nand Lal (minor)
4. Soni Harkishan Nandlal (Minor)
5. Soni Kantilal Naranji,
6. Soni Raghunathdas Kantilal (Minor)
7. Soni Devedra Kantilal (Minor)
Near Railway Station, Jamnagar.
(Transferor)
- (2) Vali Hanifabai Dada, Guardian of
1. Memon Mohmadfaruk Hajiahmad (Minor)
2. Memon Mohmadhusen Hajiahmad (Minor)
Maniar Sheri, Jamnagar.
(Transferee)
- *(3)
*(4)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property situated in Lindi Bazar, Suriya Fali, Jamnagar and bearing S. No. 55-D-2, 56-D-2 and fully described in the sale-deed registered against Sr. No. 1392 on 6-6-74 in the office of the Sub-Registrar Jamnagar.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1975

Ref. No. Acq.23-I-346(135)/10-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 46-D-2 situated at Lindi Bazar, Surya Fali, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jamnagar on 6-6-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 21—486 GI/74

- (1) 1. Soni Natanji Hemraj,
2. Soni Bhagwandas Nandlal,
3. Soni Rajnikant Nandlal (Minor)
4. Soni Harkishan Nandlal (Minor)
5. Soni Kantilal Naranji,
6. Soni Raghunathdas Kantilal (Minor)
7. Soni Devedra Kantilal (Minor)
Near Railway Station, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) 1. Memon Alimamad Hajimusa,
2. Haiun Hajimusa,
3. Ikbal Hajimusa (Minor)
4. Mohmad Sidiq Hajimusa (Minor)
Maniar Sheri, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property situated in Lindi Bazar, Suriya Fali, Jamnagar, and bearing Survey No. 56/D/2 and fully described in the sale deed registered against S. No. 1393 on 6-6-74 in the office of the Sub-Registrar, Jamnagar.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay-20, the 31st January 1975

Ref. No. AR.V/102/7/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 152 (Pt.) & 145 H. No. I (Pt.) situated at Nahur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :—

- (1) Shri Radhomal R. Motiani and Others,
(Transferor)
- (2) Shri Hirji Premji and Others,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FIRSTLY :

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra forming part of land bearing Survey No. 152 (part) and 145, Hissa No. 1 (part) being the sub-divided Plot No. 1 admeasuring 4020.47 sq. yds. or 3351.11 sq. metres or thereabouts and bounded as follows :—On the North by Nahur Village Road. On the West and South by 30 feet wide Scheme Road and on the East partly by scheme road and partly by the property belonging to Amrut Chhaya Co-operative Housing Society Ltd.

SECONDLY :

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152(part) admeasuring 3274.86 sq. yds. or 2737.78 sq. metres or thereabouts being the sub-divided plot No. 5 bounded as follows :—On the North by Survey No. 154 on the South by Survey No. 152(part) on the West by Nahur Village Road, and on the East by the property of New Shrenik Co-operative Housing Society Ltd.

THIRDLY :

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152(part) and 145 Hissa No. 2 and 4 (part) admeasuring 3252.31 sq. yds. or 2718.93 sq. metres or thereabouts and marked on the plan annexed therewith as garden.

FOURTHLY :

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152 (part) and Hissa No. 1 (part) admeasuring in the aggregate 1593.88 sq. yds. or 1332.48 sq. metres or thereabouts shown on the plan annexed herewith in brown colour wash being the land under internal scheme roads.

FIFTHLY :

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152(part) admeasuring 124.77 sq. yds. or 104.31 sq. metres or thereabouts and marked on the plan annexed herewith in blue colour wash being the area in set back.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Bombay

Date : 31-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. T. Antony Vazhayil House, Market Road, Ernakulam, and Dr. Joseph Thoppil, Thoppil House, St. Augustines Road, Ernakulam.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM

(2) Shri K. P. Johny, M/s K. C. Pappu & Sons,
Cloth Bazar Road, Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ernakulam, the 4th February 1975

Ref. No. I.C.26/74-75.—Whereas, I, T. B. Swaminathan, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 206 and 216 situated at East of Shenoy's Road, Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 1-6-74, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

23.858 cents of land with building in Sy. Nos. 206 and 216 at East Shenoy's Road, Ernakulam.

T. B. SWAMINATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 4-2-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1471/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Sansarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Himmat Singh s/o Partap Singh,
r/o V. Sansarpur Teh. Jullundur,
(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Charan Singh,
s/o Natha Singh,
c/o Shri Surinder Singh s/o Bhagat Singh,
r/o V. Sansarpur Teh. Jullundur,
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2406 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st January, 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1472/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing I and situated at V. Sansarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act of the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Himmat Singh s/o Partap Singh,
r/o V. Sansarpur, Teh. Jullundur.
(Transferor)

- (2) Shri Charan Singh s/o Natha Singh,
Mohinder Kaur w/o S. Charan Singh,
c/o Surinder Singh s/o Bhagat Singh,
V. and P.O. Sansarpur, Teh. Jullundur.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2506 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st January, 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1473/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at V. Sansarpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Himmat Singh s/o Shri Partap Singh,
r/o V. Sansarpur Teh. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Shri Charan Singh s/o Natha Singh,
c/o Surinder Singh s/o Bhagat Singh,
V. & P.O. Sansarpur Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2507 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st January, 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1551/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 97 situated at Joshi Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Behari Lal s/o Ganpat Ram,
Dayanand Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchal Kumari Aggarwal,
w/o Shri Manohar Lal and
Shri Ravinder Kumar s/o Shri Manohar Lal,
Lakkar Mandi, Bazar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Joshi Colony as mentioned in the Registered Deed No. 1179 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st January, 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1552/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Shop situated at Kot Bahadar Khan, Bradath Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) Shri Mool Chand, Lal Chand,
ss/o Shri Gulzari Lal,
99/WC Bradath Road, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Mangat Ram s/o Tara Chand,
WC-90 Mohalla Kot Bahadur Khan,
Near Bradath Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registered Deed No. 3034 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st January, 1975

Seal :

FORM ITNS

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/N. Shehar/AP-1553/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at Nawan Shehar Chandigarh Road Barnala Kalan (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawan Shehar in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1177 of June, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mehar Singh s/o Dasandi r/o Bachhori Teh. Garh Shanker, GA Bhagat Ram Gurbachan Singh Bakshish Singh brothers. (Transferors)

(2) Shrimati Durga Devi w/o Swaran Dass s/o Dewan Chand V. Soon or Soonie Teh. Garh Shanker. (Transferee)

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Nakodar/AP-1554/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Nurmahal Road, Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nakodar in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Dalbri Kaur w/o Karnail Singh alias Jarnail Singh and Smt. Tarsem Kaur w/o Mohinder Singh r/o Chak Moglam (on Shanker Road) Teh. Nakodar, (Transferor)

- (2) Shri Yudhishter Kumar s/o Kunj Lal s/o Gajju Mal, Usha Rani d/o Kunj Lal, Ashni Kumar s/o Dr. Ram Lal s/o Sunder Dass c/o Dr. Suraj Parkash Khullar, Khullar Hospital, Civil Hospital Road, Nakodar. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 565 of June, 1974 of the Registering Authority, Nakodar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/JUL/AP-1556/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3479 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh, Aluminium Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Ram Sahai s/o Kishan Chand s/o Dulomal r/o EN 197 Kalowani Mohalla, Jullundur or c/o Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferee)

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1557/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Aluminium F Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Kishori Lal s/o Kishan Chand s/o Dulomal c/o Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3480 of June 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1558/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Aluminium Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath s/o Kishori Lal c/o M/s Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Gani, Jullundur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3481 of June 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FROM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1559/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Aluminium Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur.

(2) Shri Pawan Kumar s/o Kishori Lal s/o Kishan Chand c/o Hari Om Soap Factory, Mandi Fantoa Ganj, Jullundur. (Transferee)

* (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

* (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Docd No. 3600 of June 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1560/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Aluminium Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Madhu Sudan (Minor) through Ram Sahai c/o M/s Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Gani, Jullundur (Transferee)

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3601 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1561/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the considerations for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Alunlum Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)

(2) Shrimati Santosh Rani w/o Ram Sahai c/o M/s Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above [Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3602 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

* (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

* (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. ASR/JUL/AP-1562/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Khurla Kingran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3648 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Chinti d/o Hukam Singh s/o Dial Singh of Khurla Kingran Teh. Jullundur. (Transferor)

(2) Satya Pal Luthra, Amar Nath Luthra s/o Shri Ram Dhan s/o Shamla Ram r/o Khurla Kingran Teh. Jullundur. (Transferee)

23—486GI/74

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No ASR/AP-1563/74-75—Whereas, J. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119/V-1 to 124/V-1 situated at Kt. Mit Singh Br. Hansli, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harnam Singh s/o Suba Singh, Kartar Singh s/o Suba Singh, Hurdil Singh s/o Sham Singh s/o Suba Singh, Gurcharan Singh s/o Sham Singh, s/o Suba Singh, Balwant Kant w/o Sham Singh, Manmohan Kaur w/o Kirpal Singh s/o Sham Singh, Ajanta Bld, Flat No 22, 3rd Floor, Bombay-52.
(Transferor)

- (2) Shri Narain Singh Khurana s/o Bishan Singh and Santokh Singh Khurana & Kulwant Singh Khurana ss/o Narain Singh Khurana, Kt Mit Singh, Amritsar.
(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenants (Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1204 of June 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

w/o Santokh Singh c/o Narain Singh Khurana, Kt.
Mit Singh, Amritsar. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)*(3) As at S No 2 above and tenants. (Person in
occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1564/74-75 —Whereas I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119/V-1 to 124/V-1 situated at Kt. Mit Singh Br. Hansli, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harnam Singh s/o Suba Singh, Kartar Singh s/o Suba Singh, Hardial Singh s/o Sham Singh s/o Suba Singh, Gurcharan Singh s/o Sham Singh s/o Suba Singh, Balwant Kaur w/o Sham Singh, Mannohan Kaur Wd/o Kirpal Singh s/o Sham Singh Ajanta Bld., Flat No. 22, 3rd Floor, Bombay-52. (Transferor)
- (2) Shrimati Surinder Kaur d/o Gurbaksh Singh w/o Kulwant Singh, 2. Gian Kaur w/o Narain Singh d/o Harnam Singh, 3. Kirpal Kaur d/o Suba Singh

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1203 of June, 1974 of the Registering Authority Amritsar

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1565/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Mall Road-Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Lakhbir Sahni w/o Satwant Singh Sahni r/o Bombay now 39, Lawrance Road, Amritsar & S. Sohan Singh s/o Jawahar Singh, Br. Karmo Deori, Asr 39, Lawrance Road, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh Buttar s/o Santa Singh Buttar r/o Chowk Ram Bagh c/o M/s Tip Top Dry Cleaners, Chowk Ram Bagh, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

* (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1089 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1566/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Basti Gazan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Budh Singh, Dharam Singh ss/o Shri Poha Singh alias Pola Singh s/o Sobha Singh Basti Gazan, H. No. WJ 42, Jullundur City. (Transferor)
- (2) Satya Pal, Raj Pal, Yoginder Pal, Vijay Pal, Shashi Pal ss/o Shri Amar Nath s/o Sant Ram of 418-A, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferee)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3596 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS--

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

* (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1567/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Raj Shah r/o E.H. 172, Civil Lines, Jullundur. (Transferor)

(2) Shrimati Chint Kaur w/o Kabal Singh, r/o Rasipur Rasulpur, Teh. Jullundur. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3582 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref No. ASR/AP-1568/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961(43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Gian Singh s/o Kabul Singh r/o Raipur Rasulpur Teh Jullundur (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3584 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

(1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Raj Shah r/o EH
172, Civil Lines, Jullundur. (Transferor)

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref No ASR/JUL/AP-1569/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land situated at Civil Lines, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Raj Shah r/o BH 172, Civil Lines, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Bhim Sain s/o Puran Chand r/o Civil Lines, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3585 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person who the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1570/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Raj Shah r/o EH
172, Civil Lines, Jullundur. (Transferor)

(2) Kumari Shanta Shashi d/o G. D. Uppal r/o Civil
Lines, Jullundur. (Transferee)

24—484GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3586 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1571/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pathankot Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lachhman Singh s/o Inder Singh s/o Karma
s/o V. Reru Teh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Sheela Wanti w/o Mangal Singh s/o Ladha
Ram r/o WB 7 Bazar Sheikhan, Jullundur. (Transferee)

- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as mentioned in the Registered Deed No. 3692 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal ;

FORM ITNS

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1572/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pathankot Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lachhman Singh s/o Inder Singh s/o Karma r/o V. Reru Teh. Jullundur. (Transferor)

(2) Shrimati Sheela Wanti w/o Mangal Singh s/c Ladha Ram r/o WB 7 Bazar Sheikha, Jullundur.

(Transferee)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3473 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Lubhaya s/o Late Shri Parma Nand
r/o Qila Mohalla, Jullundur. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Swaran Singh s/o Karam Singh r/o V. Atta
P.O. Goraya District, Jullundur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR(4) Any person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property).

Amritsar, the 31st January 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—Ref. No. ASR/Jul/AP-1573/74-75.—Whereas 1 V. R.
SAGAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the said Act, have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Plot No. 425 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an
apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income of
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3097
of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 31st January 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1574/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 Shops, Godown & Land situated at Basti Nau Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parshotam Lal s/o Mehar Chand, President
Municipal Committee, Banga Teh. Nawan Shehar.
(Transferor)(2) Sat Pal, Prem Nath, Krishan Chand, Parshotam Lal,
Jaswant Rai s/o Shri Maghi Ram s/o Amir Chand,
r/o Banga Teh. Nawan Shehar. (Transferor)(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2733 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Dedar Singh s/o Mool Singh & Swaran Kaur
w/o Didar Singh r/o Salempur Masandan Teh.
Jullundur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1575/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghbir Singh s/o Natha Singh of Jullundur
GA Kuldip Singh Ohri s/o Natha Singh s/o Arur
Singh of Jullundur. (Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3650 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1576/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Near New Grain Market, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in June & September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Pal alias Janender Pal Jain, s/o Rakhsh Dass s/o Labhu Ram, 19-D or 19-L Kidar Building, Sabzi Mandi Delhi GA Laxmi Devi Wd/o, Rakhsha Devi, Prabha Vati Ds/o Shri Rakhsh Dass. (Transferor)
- (2) Shrimati Kailash Wati d/o Dewan Chand s/o Chiranjji Ram, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. 2. Ashok Kumar s/o Mohan Lal, Mohan Lal s/o Shri Kundan

Lal, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferee)
*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds No. 3211 & 3212 of June, 1974 and 5955 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Manak Chand Khanna s/o Shri Sita Ram,
Plot No. 32-33, Unine Green Park, Khar, Bombay-52.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1577/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 situated at R. B. Duni Chand Road, Asr (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Lal s/o Shri Kundan Lal, Calcutta 104/1, K. Pal Avenue, Attorney Shri Tara Chand, 76, Kenedy Avenue, Amritsar. (Transferor)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1097 of June 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range.
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Swaran Kaur w/o Phuman Singh r/o
Mohalla Kalpna, Hoshiarpur Road Pragwara
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1578/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Land situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

"(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 717 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

(1) Shri Tarsem Lal Urf, Tarsem Singh s/o Gajju Ram
Saini of Nigaba Mohalla, Phagwara. (Transferor)
25 -486GJ/74

FORM ITNS

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 31st January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/AP-1579/74-75 —Whereas I, V. R. SAGAR, being the competent Authority under (hereinafter referred to as the said Act), section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 858 situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1212 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Monmohan Singh s/o Narain Singh, 1018, Sector 27-B, Chandigarh, (Transferor)

(2) Shri Tilak Raj s/o Shri Mulakh Raj Narjhat Mirza & Raj Kumar S/o Shri Kulakh Raj, Court Road Saharanpur.

(Transferee)

Date : 31st January 1975

Seal :

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1580/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 858 situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col Manmohan Singh s/o S. Narain Singh, 1018, Sector 27-B Chandigarh, (Transferor)
(2) Rajinder Wati d/o Shri Bhagwan Dass and Rajinder Pal s/o Shri Murakh Raj, Chowk Chint Purni, Amritsar, (Transferee)

- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1212 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1581/74-75.—Whereas J. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Saraswati Bai wd/o Ram Lal s/o Ram Chand r/o WF 145 Ali Mohalla, Jullundur.
(Transferor)

- (2) Amrit Co-operative House Building Society Ltd., NM 594 Gopal Nagar Jullundur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3654 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1582/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishan Lal s/o Ram Lal i/o W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur. (Transferor)
- (2) Amrit Co-operative House Building Society Ltd., NM 594 Gopal Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3655 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Parkash s/o Ram Lal, WF 145 Ali
Mohalla, Jullundur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amrit Co-operative House Building Society Ltd.,
NM 594 Gopal Nagar, Jullundur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of
the property].

(4) Any person interested in the property. [Persons
whom the undersigned knows to be interested in
the property].

Amritsar, the 31st January 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/JUL/AP-1583/74-75.—Whereas, J. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said, immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3656 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1587/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at Daya Nand Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Raj Kumar, Roshan Lal s/o Shri Jai Gopal. Satya Wati w/o Shri Jai Gopal, Joginder Pal s/o Shri Jai Gopal, Lawrance Road, Amritsar through Sh. Tilak Raj Attorney. (Transferor)
- (2) Shrimati Man Wati w/o Kishore Chand, Niru Mehra w/o Shri Kali Charan, Kali Charan s/o Shri Kishore Chand, Kishore Chand s/o Shri Ram Partap, Daya Nand Nagar Amritsar (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 31 Daya Nand Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1046, 1047, 1048 & 1049 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Kulwant Singh s/o Shangaia Singh, Joginder Singh, Mohinder Singh, Tara Singh ss/o Saudagar Singh V. Talwandi Nahar Teh. Ajnala. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AJN/AP-1589/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Talwandi Nahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajnala in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely:—

- (1) Tara Singh, Dara Singh s/o Arjan Singh Keso Devi d/o Shri Arjan Singh Village Talwandi Nahar Teh. Ajnala. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1349 of June, 1974 of the Registering Authority, Ajnala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Sent .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1591/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 36 situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in Jun 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).—

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26—486GI/74

- (1) Shri Sardari Lal s/o Dewan Chand r/o Calcutta-7 through Shri Jagdish Prasad s/o Shri Hira Lal, 14, Mall Road, Amritsar. (Transferor)
- 2) Shri Brij Mohan s/o Shri Narain Dass r/o Maqbool Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Kothi No. 36 Rose Avenue Maqbool Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 918 of June, 1974.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1592/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 3 situated at Hukam Singh Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjeet Singh Sandhu s/o Gurdial Singh Sandhu V. Chhapa Ram Singh District Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Chhattar Bhuj Gupta s/o Hira Lal Gupta, Lachhman Sar, Chhan Gali, Amritsar, (Transferee)

* (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

* (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 1051 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

(Date : 31st January 1975)

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Kundan Lal r/o Queens Road, Amritsar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1593/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230/13-3 situated at Cooper Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act hererby initiate poceedings for the acqulsition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Saneh Prabha Wd/o Shri Roshan Lal, Shri S. H. Ashok Kumar, Ravi Kumar s/o Shri Roshan Lal, Roma d/o Shri Roshan Lal r/o Ajardarshan Nepancy Road, Bombay-21 through Shri Kundan Lal, Cooper Road, Amritsar. (Transferor)

*(3) As at S. No. 2 above and Sh. Hans Raj Puri (tenants) (Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1000 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Padma Wati w/o Shri Madan Lal c/o Poonam Bar & Restaurant, G. T. Road, Phagwara. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref No. ASR/Phg/AP-1594/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Surinder Singh Jaswinder Singh, ss/o Mehar Singh, Surjit Kaur etc. r/o Goraya. (Transferor)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 482 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1595/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D to the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Narinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara. (Transferor)

(2) Shri Ujagar Singh s/o Jagir Singh r/o Phagwara. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

“(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 773 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1596/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur, Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Navinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara. (Transferor)

- (2) Shri Shiv Charan Singh s/o Piara Singh s/o Bhagwan Singh r/o Goraya and Nirmal Singh s/o Raj Singh r/o Jullundur Cantt. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 721 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1975

Ref No. ASR/Phg/AP-1597/74-75.--Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and ebaring No. Land situated at G.T. Road Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :--

(1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Narinder Kaur D/o Mohan Singh Satnampura. Near College, Phagwara, (Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh s/o Lamber Singh, Balwinder Kaur D/o Lamber Singh r/o Kukar Pind Gurdip Singh s/o Udham Singh r/o Jullundur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 624 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1598/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at G. T. Road Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur, Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Narinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara, (Transferor)

(2) Shrimati Sarabjeet Kaur or Surjit Kaur w/o Tara Chand V. Sarhala aMudran District Hoshiarpur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter .

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 639 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1599/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property situated at Katra Mohar Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) following persons namely :—

- (1) Shri Shanti Lal Chadha s/o Ganesh Dass r/o Chadha Building, Cine Road (Dr. Ambedkar Marg) Bombay-19 through Shri Krishan Lal (for self and GA) s/o Ganesh Dass Chadha r/o Chadha Building, Cine Road (Dr. Ambedkar Marg) Bombay-19.
(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani w/o Khushal Chand Anand, Kt. Bhai Sant Singh, Amritsar. 2. Shakuntala Rani w/o Prem Nath Anand, Gali Gandan Wali, Nimak Mandi, Amritsar. 3. Urmila Rani w/o Jagdish Lal Anand r/o Beri Gate, Amritsar. 3. Munorama Rani w/o Abnashi Lal Anand, Kucha Beriwalla, Kt. Mit Singh, Amritsar. (Transferee)

*(3) Shri Sat Pal Labhu Ram, Sat Pal Manohar Lal, Raj Pal, Jagdish Chand, Lila Ram, Uttar Chand. (All tenants). (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1167 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1600/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 168-169, 186 situated at Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Gulzar Singh s/o Saudagar Singh Gali No. 1, Kot Harnam Dass, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shrimati Jasbir Kaur w/o Pritam Singh Tiger r/o 169, Ajit Nagar, Amritsar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of Kothi No. 168-169-186 Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1127 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

"(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1601/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 296-L, situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major Paramjit Singh s/o Hardeep Singh s/o Harnam Singh, 413, Model Town, Jullundur.
(Transferor)

- (2) Shrimati Krishna Devi Dhawan w/o Shri Bhim Sain Dhawan s/o Shri Bharat Ram r/o V. Kot Sadiq now at 296-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)

- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 296-L Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3501 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1602/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Compentent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half Kothi 454-L, situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act to the following persons namely :

- (1) Shrimati Nidhan Kaur w/o Jamiat Singh s/o Shri Amar Singh of Ghariala Teh, Jullundur. Now 329 New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Gurcharan Kaur w/o Kartar Singh s/o Gopal Singh of 454-L Model Town, Jullundur. (Transferee)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Kothi No. 454-L Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3484 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Y. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Swaran Singh, Harbans Singh ss/o Inder Singh Plot No. 2 near Gopal Oil Mills, on Mithapur Nakodar Road near Model Town, Jullundur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1603/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar, being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Jagat Singh r/o H. No. 373, Gali No. 8 Central Town, Jullundur GA to Lachhman Singh s/o Mota Singh V. Domana Kalan Teh. & Distt. Hoshiarpur. (Transferor)

- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2522 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1604/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half Kothi 454-L situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Nidhan Kaur w/o Jamiat Singh s/o Amar Singh of Ghariala now No. 329 New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Raghbir Singh s/o Kartar Singh s/o Gopal Singh of 454-L Model Town, Jullundur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Kothi No. 454-L Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3715 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

Smt. Shanti Kapur, Smt. Santosh Beri, Raj Mahant &
Smt. Gomti alias Firaj Lukmi Kapur, 2080/12, Kt.
Sher Singh, Asr. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohan Lal Sat Pal s/o Shri Relu Ram, House No.
2080/12, Katra Sher Singh, Amritsar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of
the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*(4) Any person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property).

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1605/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2080/12, situated at Katra Sher Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Chand Khanna s/o Sarb Dayal r/o 415 College Road, Ludhiana for self and on behalf of Justice Hans Raj Khanna, Dev Raj Khanna, Smt. Lila Wati Mehra Bhag Wati alias Kamla Wati Kapur,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 998 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st January 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

(2) Kashmira Singh, Harjinder Singh s/o Shri Mohd Singh, Moh. Sherpura, Nakodar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

*(4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/NDR/AP-1606/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officers at Nakodar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 843 of June, 1974 of the Registering Authority, Nakodar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hakumat Rai s/o Dhirat Ram s/o Uttam Chand r/o Nakodar (Transferor)

Date : 31st January 1975
Seal :

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-20

Bombay-20 the 5th February 1975

Ref. No. AR-I/856-3/Jun 74.—Whereas, I. R. G. Nerurkar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act—have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 779 of Mahim Division situated at Tulsi Pipe Rd. Mogul Lane, Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registry, Bombay on 18-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act—I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Venkatram Subramaniam, alias V. S. Mani.
(Transferor)

(2) Shri Shankar Vishnu Jadhav & Ors, (Transferee)
28—486 G1/74

* (3) Indian Oil Corporation Ltd (Person in occupation of the property)

* (4) Indian Oil Corporation & National Storage Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE FIRST SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land admeasuring 782.00 Sq. Yards or 653.85 Sq. Metres and bearing Plot No. 424 (Part).

THE SECOND SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land together with the structure Block "N" standing thereon and admeasuring 501 Sq. Yards or 418.86 Sq. Metres and bearing Plot No. 424 (Part).

Which both pieces or parcels of land mentioned in Schedule First and Second together admeasuring 1283 Sq. Yards or 1072.71 Sq. Metres and bearing Plot No. 424 (Part) and forming part of a vast piece of land bearing C.S. No. 779 of Mahim Division situated at Tulsi Pipe Road and Mogul Lane, Upper Mahim and in the Registration District and Sub-District of Bombay and bounded On or towards the EAST by Tulsi Pipe Road, On or towards the SOUTH by the property belonging to the Lessors Plot No. 424 and On or towards the WEST partly by Plot No. 424 belonging to the Lessors and partly by plot No. 425A of T.P.S. No. III Mahim belonging to Smt. Anasuyabai I. Raut and On or towards the NORTH partly by Plot bearing C.S. No. 780 and 781 T.P.S. No. III Mahim of M/s. Opil Laboratories Ltd. and which both pieces or parcels of land are delineated on the plan.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I,

Date : 5th February, 1975.
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1975

Ref. No. AC-158/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4C & 3/1, situated at Balam Ghosh Street Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Dwipendra Nath Neogi.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided Southern portions of premises Nos. 4C and 3/1, Balam Ghosh Street, Calcutta measuring 6 cottas 2 chittacks 17 sq. feet vacant land.

S. BHATTACHARYYA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

FORM I.T.N.S.—

(2) Sri Anwari Begum,
H. No. 10-2-347/B Near Asifnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 95/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Syed Abdul Wahab,
H. No. 6-2-977, Khairtabad,
Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 2/25th share in No. 22-8-298, State Talkies, near Nayapul, Hyderabad (portion of it). Area : 78556 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Kumari Shaheen Begum,
H. No. 102-347/B, Asifnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 99/7475.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Hyderabad on 196-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Abdul Hameed,
"Gultisthan" at Khairtabad,
Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property : No. 22-8-398, State Talikes, (Portion) at Nayapul, Hyderabad (2/25 share)

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Shahnawaz Begum,
H. No. 10-2-347/B, Asifnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 96/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Syed Abdul Hameed,
H. No. 6-2-977, Khirtabad,
Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 2/25th share No. 22-8-298, State Talkies, (Portion) near Nayapul, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Amtul Kareem,
H. No. 10-1-123/B, Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(2) Smt. Anwari Begum,
H. No. 102-347/B, Asifnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 7th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the sa-
able property within 45 days from the d-
publication of this notice in the Official a-
te.

Ref. No. RAC. No. 97/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : No. 22-8-298, State Talkies, (Portion), near Nayapul, Hyderabad (1/25 share).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1975

Seal :

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1975